हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 66 ● भिलाई, सोमवार 28 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

प्रसाधन सामग्री पर शाकाहारी मांसाहारी चिन्ह अनिवार्य

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को उत्पादों की प्रकृति की स्पष्ट जानकारी देने और उनकी धार्मिक एवं खान-पान संबंधी प्राथमिकताओं के अधिकार को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पैकबंद वस्तुओं से संबंधित विधिक मापविज्ञान नियम, 2011 में किए गए हालिया संशोधन के तहत दैनिक उपयोग की प्रसाधन सामग्रियों पर अब शाकाहारी या मांसाहारी होने का प्रतीक चिन्ह प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया गया है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही यह प्रावधान तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। नए नियमों के अनुसार, साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य प्रसाधन सामग्रियों के मुख्य प्रदर्शन पटल पर उत्पाद की प्रकृति दर्शाने वाला स्पष्ट प्रतीक चिन्ह लगाना होगा। इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद में इस्तेमाल सामग्री के बारे में खरीदारी के समय ही जानकारी मिल सकेगी। नियमों के तहत शाकाहारी उत्पादों पर हरे रंग का बिंदु लगाना अनिवार्य होगा। वहीं, जिन प्रसाधन सामग्रियों में पशु आधारित सामग्री का इस्तेमाल किया गया है, उन पर लाल या भूरे रंग का बिंदु प्रदर्शित करना होगा।

दुष्कर्म पीड़िता 13 वर्षीय छात्रा की रिम्स में इलाज के दौरान मौत

रांची। को रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद छात्रा की हालत गंभीर होने पर गुमला पुलिस ने उसे बेहतर उपचार के लिए रिम्स में भर्ती कराया था। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई थी। शनिवार को उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छात्रा के शव का पोस्टमार्टम चिकित्सकीय मंडल से कराने का निर्णय लिया है। गुमला के पुलिस अधीक्षक हरिश बिन जमा ने बताया कि चिकित्सकीय मंडल के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम के लिए आवश्यक कागजी कार्रवाई भी पूरी की जा रही है। मंडल की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिससे छात्रा की मौत के कारणों से जुड़े चिकित्सकीय तथ्यों की विस्तृत जांच की जा सके। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। घटना के संबंध में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कुणाल घोष की कार पर अंडे-पत्थर से हमला, शीशा टूटा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष की कार पर कथित तौर पर अंडे और पत्थर फेंके गए। घटना उस समय हुई जब घोष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की श्रीरामपुर में आयोजित जनसभा में शामिल होने जा रहे थे। उत्तरपाड़ा के शाँखेर बाजार इलाके में उनकी गाड़ी को लोगों के एक समूह ने घेर लिया और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी कार के आगे और पीछे के शीशों को नुकसान पहुंचा।

नेपाल में भारी बारिश से बिगड़े हालात

72 घंटे में 14 लोगों की मौत बाढ़ और भूस्खलन से हाईवे बंद

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल में गुरुवार से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। पिछले 72 घंटे में बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो चुकी है। देश के कई हिस्सों में बाढ़, जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। हालात को देखते हुए कई इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है और सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया है। मध्य नेपाल में रविवार सुबह नारायणी नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर 9 मीटर को पार कर गया। इसके बाद नदी का पानी आसपास की बस्तियों में प्रवेश करने लगा। प्रशासन ने नारायणी नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी जारी करते हुए सतर्क रहने को कहा है। देश के प्रमुख परिवहन मार्गों के लिए महत्वपूर्ण चितवन की ओर जाने वाले कई हाईवे भी भूस्खलन के कारण बंद हैं। अलग-अलग स्थानों पर पहाड़ों से मलबा गिरने के कारण सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार शनिवार शाम तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में छह लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद रविवार सुबह म्याग्दी जिले में भूस्खलन की एक घटना में चार और लोगों की मौत हो गई। अन्नपूर्णा ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष भरत कुमार पुन ने बताया कि भूस्खलन में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। लगातार

बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन होने से राहत और बचाव अभियान भी प्रभावित हो रहा है। पड़ोसी बागलुंग जिले में भी भूस्खलन से चार लोगों की मौत हुई है। ग्रामीण नगरपालिका के उपाध्यक्ष प्रेम बहादुर घर्ती मगर ने बताया कि निशीखोला ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर 3 के हारद्रा में रविवार सुबह भूस्खलन हुआ। इसमें चार लोग मलबे में दब गए और उनकी मौत हो गई। जिले से होकर बहने वाली कालीगंडकी नदी भी उफान पर है। नदी के तेज बहाव में कई घर और पुल बह गए हैं, जिससे सड़क संपर्क टूट गया है। बाढ़ और जलभराव के खतरे को देखते हुए सुरक्षा बल कई जिलों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं। अब तक हजारों लोगों को प्रभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगातार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में स्थिति बिगड़ती जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों से नदी और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की अपील की गई है। नेपाल में यह नई आपदा भोतेकोशी नदी में बाढ़ के करीब एक महीने बाद आई है। रिपोर्ट के अनुसार उस त्रासदी में अब तक 1,400 से अधिक लोगों की मौत और 6,000 से ज्यादा लोगों के लापता होने की बात सामने आई है।

बाढ़ के बीच शराब की बारिश: महानदी में तैरती बोतलें देख नदी किनारे पकड़ने जुटी भारी भीड़

कुरूद। महानदी में आई बाढ़ के बीच कुरूद क्षेत्र में एक अलग ही तस्वीर सामने आई, जहां तेज बहाव में बहकर आ रही शराब की बोतलों को पकड़ने के लिए लोगों की भीड़ नदी के पास पहुंच गई। पानी का बहाव बेहद तेज होने के बावजूद कुछ लोग रस्सी, बांस और जाल के सहारे बोतलें निकालने का प्रयास करते नजर आए। मिली जानकारी के अनुसार, नारी क्षेत्र स्थित देशी शराब दुकान बाढ़ के पानी की चपेट में आने के बाद वहां रखी शराब की कुछ बोतलें पानी में बह गईं। महानदी पर बने पुल के आसपास मौजूद लोगों की नजर जब पानी में तैरती बोतलों पर पड़ी तो उन्हें पकड़ने के लिए लोगों की भीड़ जुटने लगी। वायरल वीडियो में कुछ लोग पुल से ही बांस और रस्सी के सहारे बोतलों को अपनी ओर खींचने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। कुछ लोगों ने पानी में जाल भी डाला। इस दौरान नदी में तेज बहाव बना हुआ था।

करूर भगदड़ की पहली बरसी

सीएम विजय ने कहा ये जख्म कभी नहीं भरेगा..

नई दिल्ली। तमिलनाडु के करूर में पिछले साल हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के एक साल बाद भी उन परिवारों के जख्म नहीं भरे हैं, जिन्होंने अपनों को इस भगदड़ में खोया। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (ञ्झक्क्य) के प्रमुख विजय ने करूर में एक साल पहले हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 41 लोगों को याद किया। उन्होंने इस हादसे को ऐसा जख्म बताया, जो कभी नहीं भर सकता । बता दें कि, 27 सितंबर 2025 को विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) के एक रैली में मची भगदड़ से 41

लोगों की मौत हो गई थी। वहीं इस हादसे की पहली बरसी पर विजय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर इमोशनल पोस्ट किया। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के साथ-साथ अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के प्रति भी एकजुटता जताई।

सुरक्षा बलों का कड़ा पहरा और सर्च ऑपरेशन जारी

मणिपुर के सेनापति जिले में फिर भड़की हिंसा,गोली बारी में दो लोगों की मौत,दो गंभीर रूप से घायल....

नई दिल्ली/ एजेंसी

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा की आग भड़क उठी है, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। राज्य के सेनापति जिले के अंतर्गत आने वाले कालेन्जांग क्षेत्र में संदिग्ध उग्रवादियों ने दिनदहाड़े नागरिकों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस अचानक हुए खूनी हमले में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस गोलीबारी में जान गंवाने वाले दोनों व्यक्तियों की पहचान रॉकी जो चौवाइनामै गांव के रहने वाले थे और कुमार जो लाई शिराफी गांव के रहने वाले थे के रूप में हुई है। ये दोनों अलग-अलग समुदायों यानी माओ और पौमाइ से ताल्लुक रखते थे। वहीं, इस हिंसक हमले में दो अन्य लोग अडाई मानियो और अशीहो सानी भी गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। इस निर्मल

और कायराना हमले के बाद क्षेत्र के प्रमुख संगठनों, विशेष रूप से नागा छात्र संघ और अन्य स्थानीय निकायों ने कड़ी नाराजगी जताई है। संगठनों ने इस घटना को अमानवीय बताते हुए इसकी पुरजोर निंदा की है। साथ ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों से मांग की गई है कि इस जघन्य अपराध में शामिल उग्रवादियों को जल्द से जल्द ढूंढकर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत हरकत में आए और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर रवाना हो गए। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेरकर संदिग्धों की तलाश में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। प्रशासन की ओर से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

केरल के पूर्व मुख्य सचिव का बड़ा दावा

बीजेपी से चुनाव लड़ने के लिए ज्ञानेश कुमार ने किया था संपर्क

नई दिल्ली/ एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। केरल के पूर्व मुख्य सचिव जीजी थॉमसन ने दावा किया है कि 2019 लोकसभा चुनाव से पहले, जब ज्ञानेश कुमार आईएएस अधिकारी थे, उन्होंने पथानामथिट्टा सीट से बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने को लेकर उनसे संपर्क किया था। थॉमसन के इस दावे के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब चुनाव आयोग के भीतर स्वुक्र समेत कई मुद्दों पर दो

चुनाव आयुक्तों की दर्ज की गई आपत्तियों को लेकर भी चर्चा तेज है। जीजी थॉमसन के मुताबिक, यह बातचीत उस समय हुई थी जब वह केरल के मुख्य सचिव थे और ज्ञानेश कुमार आईएएस अधिकारी के तौर पर कार्यरत थे। थॉमसन ने बताया कि दोनों एक ही फ्लाइट से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान ज्ञानेश कुमार ने उनसे 2019 के लोकसभा चुनाव में पथानामथिट्टा से बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने में रुचि के बारे में पूछा। थॉमसन का कहना है कि ज्ञानेश कुमार ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को तुरंत ठुकरा दिया। उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर की एक अन्य घटना का भी जिक्र किया और दावा किया कि उस समय भी कुछ लोगों ने उन्हें राजनीति में आने का प्रस्ताव दिया था। थॉमसन के अनुसार, ज्ञानेश कुमार को इस बारे में जानकारी मिली थी।

नागालैंड में जहरीली शराब से 19 लोगों की मौत

कोहिमा। नागालैंड में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से पिछले दो दिनों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग जिले में 11 लोगों की मौत हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मिलावटी शराब के स्रोत का पता लगाने और मौतों के कारणों की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वेसुप्रा केजो ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों की मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए नमूने फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा।

राजनाथ ने पाक को चेताया

आतंकवाद पर किसी भी स्ट्राइक के लिए तैयार है भारत-राजनाथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब-जब पड़ोसी देश आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा, तब-तब भारत आतंकवादियों के खिलाफ हमले करने के लिए तैयार रहेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत शांति चाहता है। भारत न तो युद्ध चाहता है और न ही किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा करना चाहता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि शांति की इच्छा को

कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। इसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल धीरज सेठ ने कहा है कि टेक्नोलॉजी निश्चित रूप से लड़ाइयों को छोटा कर रही है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह युद्धों को भी छोटा करे। उन्होंने कहा कि जमीन पर जीत ही युद्ध में जीत का एकमात्र पक्का सबूत है। उन्होंने आगे कहा, आज सोशल मीडिया पर हम दुनिया भर में युद्ध से जुड़ी कई खबरें और बातें देखते हैं। जहां जानकारी और नैरेटिव के जरिए असली लड़ाई की तस्वीर को धुंधला करने की कोशिश की जाती है। इससे अनिश्चितता और भ्रम पैदा होता है।''उन्होंने कहा, मेरा मानना ?है कि इस सब शोर-शराबे के बीच एक सच्चाई कभी नहीं बदलती। सफलता के लिए जमीन हमेशा एकमात्र ठोस और काम की चीज रहेगी। जीत को हमेशा इलाके के आधार पर मापा गया है।

जनगणना को बताया राष्ट्रीय जिम्मेदारी

पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक-ऑपरेशन सिंदूर को किया याद

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार, 27 सितंबर को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आतंकवाद के खिलाफभारत के रुख की बात की। उन्होंने 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी और 2008 के मुंबई हमले को भी याद किया। 138वां एपिसोड 27 सितंबर को सुबह 11 बजे प्रसारित हुआ। पीएम मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय सेना के वीर जवानों ने एलओसी के पार जाकर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी। प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवादी हमलों के कारण भारत द्वारा लंबे समय से झेले जा रहे दर्द के खिलाफ निर्णायक प्रतिक्रिया के तौर पर याद किया। उन्होंने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है कि आतंकवाद के खिलाफ देश की नीति स्पष्ट है और आज भारत जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ रहा है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले को भी याद किया। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में हुए 9/11 हमले के 25 साल पूरे होने का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। 138वें एपिसोड

में जनगणना का भी मुद्दा प्रमुख रहा। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने जनगणना को लेकर लोगों की भागीदारी पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी 'मन की बात' सामग्री में Census 2027 को डिजिटल प्रक्रिया के रूप में बताया गया है और लोगों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। पीएम मोदी ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े प्रमुख नेता अशोक सिंघल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल का जन्म 27 सितंबर 1926 को आगरा में हुआ था और उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने अशोक सिंघल के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने समाज में रहकर तपस्वी जैसा जीवन जिया। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को दिशा और ऊर्जा देने में उनकी भूमिका का भी उल्लेख किया। 'मन की बात' का 138वां एपिसोड 27 सितंबर 2026, रविवार को सुबह 11 बजे प्रसारित किया गया।

सीएम साय ने मोदी के मन की बात पर बोले-उनके छत्तीसगढ़ का जिक्र करने से बढ़ता है प्रदेश सम्मान

अंतागढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को कांकेर जिले के अंतागढ़ पहुंचे। यहां लामकन्हार स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के भगवान बिरसा मुंडा ऑडिटोरियम में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का श्रवण किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा समेत आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक, कांकेर लोकसभा सांसद के साथ भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम का आयोजन आदिवासी अंचल में स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में किया गया। विद्यालय के भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर बने ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण हुआ। छत्तीसगढ़ में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन जनजातीय विद्यार्थियों के लिए किया जाता है। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए कार्यक्रम स्थल और आसपास सुरक्षा व्यवस्था के साथ जरूरी प्रशासनिक इंतजाम किए गए।

नरहरपुर में 'वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामुहिक राष्ट्रगीत का हुआ आयोजन

वंदे मातरम ने जगाई थी स्वतंत्रता की चेतना : रंजना साहू

धमतरी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के संगठन प्रभार क्षेत्र जिला कांकेर के नगर पंचायत नरहरपुर में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सामुहिक राष्ट्रगीत वंदे मातरम का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में संगठन महामंत्री पवन साय सहित अन्य जनप्रतिनिधि व पदाधिकारीयों के साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू शामिल हुईं। बैठक में संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री एवं बस्तर संभाग प्रभारी यशवंत जैन, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, कांकेर सांसद भोजराज नाग, कांकेर विधायक आशाराम नेताम, भाजपा कांकेर जिलाध्यक्ष महेश जैन, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम सहित पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही। भारत सरकार द्वारा 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। 'वंदे मातरम' का स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण स्थान रहा है और इसे राष्ट्रीय चेतना तथा मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना से जोड़ा जाता है। कार्यक्रम में पवन साय ने 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वंदे मातरम् भारत की राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है, स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में इस गीत ने देशवासियों में एकता, स्वाभिमान और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का कार्य किया। उन्होंने युवाओं से देश की गौरवशाली परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को समझने तथा उससे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय जी ने अपने उदबोधन में आगे कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना, राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस राष्ट्रगीत ने लोगों को एकजुट करने और देश की आजादी के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष, कांकेर जिला संगठन प्रभारी एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से परिचित कराना आवश्यक है, 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने का अवसर हमें अपने इतिहास, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं तक राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी पहुंचाएं। वंदे मातरम भारत की स्वतंत्रता चेतना का ऐसा स्वर है, जिसने देशवासियों में मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, स्वाभिमान और राष्ट्र के लिए समर्पण की भावना को जागृत किया। उन्होंने कहा कि इसके 150 वर्ष पूर्ण होना केवल एक वर्षगांठ नहीं, बल्कि भारत के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमारे युवाओं को यह बताना आवश्यक है कि स्वतंत्रता आंदोलन केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, बल्कि यह देश की अस्मिता, स्वाभिमान और आत्मसम्मान की रक्षा का व्यापक जनआंदोलन था। 'वंदे मातरम'ने उस दौर में लोगों के मन में राष्ट्र के प्रति भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि हम अपने गौरवशाली इतिहास को जानें, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को समझें तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं, वंदे मातरम् की भावना हमें देशहित, एकता और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। बैठक में अन्य वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को इतिहास और राष्ट्रीय विरासत से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिला संगठन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने मैनपुर विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिले में हुई मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति का जायजा लेने मैनपुर विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का औचक दौरा किया। उन्होंने ग्राम पंचायत गोपालपुर के आश्रित ग्राम साल्हेभाठा के किसानों के खेतों में जाकर डिजिटल क्रॉप सर्वे के वस्तुस्थिति की जानकारी ली। डिजिटल कॉर्प सर्वे के माध्यम से किसानों के खेतों में जाकर मोबाइल ऐप के जरिए उनके द्वारा बोई गई फसल, खेत के क्षेत्रफल, जीपीएस लोकेशन और सिंचाई की स्थिति का डिजिटल डेटा एकत्र किया जाता है। कलेक्टर ने इस दौरान किसानों से चर्चा करते हुए उनकी बोई गई फसल, रकबा एवं सिंचाई की स्थिति के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों से कहा कि वे सर्वेयर को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं और सर्वे कार्य में सहयोग करें। कलेक्टर शर्मा ने प्रसिद्ध धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल पैरी उद्गम का भी दौरा किया। उन्होंने पहाड़ी पर बनी सीढ़ियों से ऊपर पहुंचकर पैरी मंदिर में दर्शन किए और पूरे स्थल का जायजा लिया। इस दौरान क्षेत्र के भाठीगढ़ राज के प्रमुख हरिशचंद नेगी, आदिवासी समाज के खेदु नेगी, ग्राम पंचायत भाठीगढ़ की सरपंच पुष्पा नेगी सहित क्षेत्र के लोगों ने कलेक्टर को पैरी उद्गम के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व की जानकारी दी। ग्रामीणों ने बताया कि पैरी उद्गम क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थल है, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते है। कलेक्टर ने ग्रामीणों की मांगों और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा इस प्राकृतिक स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर ने आदिवासी बालक आश्रम बड़े गोबरा का भी औचक निरीक्षण किया।

मादक पदार्थ लेकर ग्राहक की तलाश कर रहे आपोरी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धमतरी। शहर में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ धमतरी पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सिटी कोतवाली पुलिस ने एकलव्य खेल मैदान स्टेडियम के पास चिट्टा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3.08 ग्राम चिट्टा और एक मोबाइल फोन समेत कुल 71,600 रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति एकलव्य स्टेडियम के पास मादक पदार्थ लेकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पीएसआई संदीप अनंत के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 3.08 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 61,600 रुपए बताई गई है। इसके अलावा करीब 10 हजार रुपए कीमत का एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी की पहचान विवेक नरसिंग दानी (33), पिता मनोहर नरसिंग दानी, निवासी सुंदरगंज वार्ड, धमतरी के रूप में की है। मामले में सिटी कोतवाली थाना धमतरी में अपराध क्रमांक 228/2026 के तहत धारा 21(ए) एनडीपीएस एक्ट में अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में की गई। पुलिस का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की बिक्री, तस्करी और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ग्राम पंचायत खपरी कला के ग्रामीणों ने सचिव के खिलाफ

मनमानी और सरपंच से मिलीभगत के आरोप, निलंबन की मांग

तिल्दा-नेवरा। ग्राम पंचायत खपरी कला में पंचायत सचिव के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया है। प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सचिव पर मनमानी करने, पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरतने तथा सरपंच के साथ मिलीभगत कर कथित रूप से भ्रष्टाचार किए जाने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बावजूद जनपद पंचायत स्तर से सचिव के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मामले में सचिव का एक वीडियो वायरल होने का दावा किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार, वीडियो में सचिव कथित तौर पर यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि सरपंच अगर गलत भी रहेगा तो मैं उसी का साथ दूंगा। इस कथित बयान को लेकर प्रतिनिधियों ने वीडियो की सत्यता और उसके पूरे संदर्भ की जांच कराने की मांग की है। प्रतिनिधियों का कहना है कि वीडियो की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि वीडियो सही पाया जाता है तो सचिव के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधियों ने सचिव को निलंबित करने की मांग भी उठाई है। पंचायत प्रतिनिधियों ने पंचायत क्षेत्र में हुए पाइपलाइन कार्य में भी कथित भ्रष्टाचार और अनियमितता के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पाइपलाइन कार्य की लागत, गुणवत्ता, भुगतान और संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है। प्रतिनिधियों का कहना है कि मौके पर हुए कार्य और सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कार्य का मिलान कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। प्रतिनिधियों के अनुसार, पंचायत के कार्यों और दस्तावेजों को लेकर जानकारी मांगने पर सचिव की ओर से कहा गया कि यदि जानकारी चाहिए तो आरटीआई लगाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रतिनिधियों ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों को पंचायत के सामान्य कार्यों की जानकारी के लिए बार-बार आरटीआई का सहारा क्यों लेना पड़े। प्रतिनिधियों ने बताया कि पंचायत में कोटेशन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए आरटीआई आवेदन लगाया गया था, लेकिन उनके अनुसार अब तक मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। प्रतिनिधियों ने कोटेशन, प्रस्ताव, बिल-वाउचर, भुगतान और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के अधिकारियों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सचिव के खिलाफ शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने से पंचायत के कामकाज को लेकर संदेह और असंतोष बढ़ रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों ने मांग की है कि वायरल वीडियो की निष्पक्ष जांच, पाइपलाइन कार्य का तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण और पंचायत के अन्य कार्यों के दस्तावेजों की जांच कराई जाए। साथ ही आरटीआई के माध्यम से मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने तथा जांच पूरी होने तक सचिव के निलंबन की मांग की गई है। वहीं, सचिव ने अपने पक्ष में कहा कि वे शासन के नियमों के अनुसार कार्य करते है। सचिव के अनुसार ग्राम पंचायत में होने वाले सभी कार्य ग्राम पंचायत के प्रस्ताव एवं ग्राम सभा के अनुमोदन के अनुसार ही किए जाते है। उन्होंने कहा कि पंचायत के कार्य नियमानुसार संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे में अब आरोपों और सचिव के पक्ष के बीच वास्तविक स्थिति विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

एनएसएस स्थापना दिवस पर सेवा गतिविधियों का आयोजन

भंवरपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्गापाली में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान, श्रमदान, पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता जैसी गतिविधियों में सहभागिता की। कार्यक्रम में प्राचार्य निमंकर पटेल ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम अधिकारी शिव प्रसाद पटेल ने स्वयंसेवकों को समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर व्याख्याता पुनीत लाल चौधरी, सीता सिंह, जयदेव साहू, राजेश कुमार पंडा, देवराज पाणिग्रही, एकता शर्मा, भूपेंद्र कुमार खूटे, अंगद कुमार अजगर एवं केदार पटेल सहित छात्र-छात्राएं एवं एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नुआखाई मिलन समारोह में व्याख्याता कमलेश साहू उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में हुए सम्मानित

भंवरपुर। बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज संभाग रायपुर द्वारा बम्हनी में आयोजित नुआखाई मिलन सह सम्मान समारोह में शासकीय हाई स्कूल रोहिना में पदस्थ व्याख्याता कमलेश साहू को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। समाज द्वारा उनके शैक्षणिक योगदान, साहित्यिक सक्रियता एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। उत्कृष्ट शिक्षक के चयन की प्रक्रिया शाखा सभा एवं आंचलिक सभा माध्यम से संभागीय स्तर पर प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर की जाती है। इस प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का चयन कर उन्हें समाज के मुख्य मंच पर सम्मानित किया जाता है। कमलेश साहू की इस उपलब्धि को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण 'शिक्षा श्री' सम्मान प्राप्त करने वाले वे समाज के इकलौते शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त इस प्रतिष्ठित सम्मान से उन्होंने न केवल अपने विद्यालय, बल्कि समाज को भी गौरवान्वित किया है। शिक्षण कार्य के साथ-साथ कमलेश साहू साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करते हुये उन्हें पूर्व में कई प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। वे साहित्य सृजन के माध्यम से भी सामाजिक सरोकारों और शिक्षा से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। हाल ही में उनके द्वारा लिखी गई एक पुस्तक यात्रा वृतांत का प्रकाशन हुआ है जिसका विमोचन आगामी तीन अक्टूबर को वृंदावन हाल रायपुर में किया जाएगा। नुआखाई मिलन सह सम्मान समारोह में कमलेश साहू को यह सम्मान प्राप्त होने पर विद्यालय परिवार, सहकर्मियों, इष्ट-मित्रों एवं परिजनों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एसडीआरएफ की तत्परता से मारुति धाम में फंसे पुजारी को सुरक्षित निकाला गया

धमतरी। जिले में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति के बीच जिला प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में कुरुद विकासखंड के ग्राम सिरसिदा स्थित मारुति धाम में कल शाम से फ 'से पुजारी को एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर गांव तक पहुंचाया। बारिश के कारण आसपास के क्षेत्र में जलभराव बढ़ने से मारुति धाम तक आवागमन प्रभावित हो गया था। स्थिति की जानकारी मिलते ही प्रशासन द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव दल को सक्रिय किया गया। एसडीआरएफ के जवानों ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच मौके पर पहुंचकर पूरी सावधानी एवं तत्परता के साथ रेस्क्यू अभियान संचालित किया और पुजारी को सुरक्षित बाहर निकालकर गांव तक पहुंचाया।रेस्क्यू के दौरान टीम ने स्थानीय परिस्थितियों, जलस्तर और सुरक्षित मार्ग का आकलन करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतीं। समय पर की गई कार्रवाई से संभावित जोखिम को टालते हुए पुजारी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया। जिला प्रशासन की आपदा प्रबंधन टीम, एसडीआरएफ और स्थानीय अमले द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी-नालों और तेज बहाव वाले स्थानों पर अनावश्यक रूप से जाने से बचें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन और राहत दल को सूचना दें। संकट की घड़ी में त्वरित कार्रवाई, समन्वय और मानवीय संवेदनशीलता के साथ जिला प्रशासन एवं एसडीआरएफ की टीमें नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय हैं।

वंदे मातरम के सामूहिक गायन से गूंजा विद्यालय

भंवरपुर। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती के आव्हान पर सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भंवरपुर में नमामि मातरम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सुबह 11:00 सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया. इस कार्यक्रम में विद्यालय के भैया बहन, आचार्य दीदी एवं अतिथियों में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, पालक बंधु एवं गांव के गणमान्य नागरिकों ने उत्साह पूर्वक इसमें भाग लिया. इस दौरान विद्यालय के वरिष्ठ आचार्या कुमारी सावित्री डडसेना के द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना पर प्रकाश डाला गया इसके पश्चात शासकीय नवीन महाविद्यालय अध्यक्ष सह मुख्य वक्ता वाय. कर के द्वारा बच्चों को संबोधित करते हुए कहा गया कि वंदे मातरम देश की आजादी के आंदोलन और राष्ट्रभक्ति की भावना से जुड़ा एक जरूरी गीत है. इसके 150 साल पूरे होना गर्व की बात है. अतः उन्होंने भैया बहनों को देश की एकता,अखंडता और संस्कृति के प्रति समर्पित रहने को कहा। इसके पश्चात विद्यालय के प्राचार्य कमल स्वर्णकार के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए अपना विचार व्यक्त किया गया। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बीपी देवांगन, उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं अध्यक्ष शासकीय नवीन महाविद्यालय व सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर के सदस्य वाय.कर, गुलाब किशोर स्वर्णकार, खिरोद देवांगन, भाजपा मंडल चनाट महामंत्री धर्मेंद्र पटेल, समस्त आचार्य दीदी ,पालक बंधु एवं गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य मोतीलाल यादव के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त आचार्य एवं दीदीयों का विशेष योगदान रहा।

शांत छत्तीसगढ़ को भाजपा ने अपराध और नशे का गढ़ बना दिया : आलोक

महासमुंद। छत्तीसगढ़ जीव जंतु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री आलोक चंद्राकर ने भाजपा की साय सरकार पर छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। आए दिन चाकूबाजी, लूट, हत्या, चोरी, बलात्कार, नकबजनी और नाबालिग लड़कियों के अपहरण जैसी घटनाएं आम हो गई है और पुलिस पूरी तरह से मूकदर्शक बनी हुई है। गृहमंत्री से गृह विभाग संभल नहीं रहा है और अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। संयुक्त महामंत्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा राज में अपराध के साथ साथ अवैध नशे का कारोबार भी बेलगाम हो गया है। अवैध नशीली टेबलेट, नशीली सिरप, अवैध शराब और ड्रग्स जैसे मादक पदार्थों का कारोबार प्रदेश के हर जिले में फैल चुका है। युवा पीढ़ी नशे की चपेट में आ रही है और सरकार आंखें मूंदे बैठी है। प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर सरकार के नेता और मंत्रियों तक की मौन सहमति के बिना यह काला कारोबार चल ही नहीं सकता। भाजपा सरकार में कमीशनखोरी का ऐसा खेल चल रहा है कि अवैध कारोबारियों को खुला संरक्षण मिल रहा है और इसी वजह से पुलिस भी कार्रवाई करने से कतराती है।

उन्होंने कहा कि जिस छत्तीसगढ़ को शांति और भाईचारे का टापू कहा जाता था, आज उसी छत्तीसगढ़ को भाजपा ने अशांति और अराजकता में धकेल दिया है। महासमुंद जिले की ही स्थिति देख लीजिए। पिछले कुछ महीनों से नाबालिग लड़कियों के अपहरण की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। केवल अगस्त महीने में 20 से 31 अगस्त के बीच जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में 18 नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामले दर्ज हुए हैं। यह आंकड़ा बेहद डरावना है और बताता है कि हमारी बेटियां कितनी असुरक्षित हैं। इसके अलावा आए दिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक चाकूबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं। चंद्राकर ने कहा कि पुलिस की सुस्ती और सरकार की निष्क्रियता अब जनहित के लिए गंभीर खतरा बन गई है। अगर समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो छत्तीसगढ़ अपराधियों का अभयारण्य बन जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भाटागांव बाजार निर्धारित स्थल पर शिफ्ट, मुख्य मार्ग अतिक्रमणमुक्त

रायपुर। शहर में यातायात और बाजार व्यवस्था को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम रायपुर ने भाटागांव बाजार को निर्धारित स्थल पर शिफ्ट कराया है। आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर बाजार विभाग की उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा और जोन-6 के जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव की मौजूदगी में टीम प्रहरी और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। मुख्य मार्ग से हटाए गए अतिक्रमण कार्रवाई के दौरान भाटागांव बाजार के मुख्य मार्ग को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। सड़क पर अव्यवस्थित रूप से बैठने वाले विक्रेताओं को उनके लिए निर्धारित स्थल पर शिफ्ट किया गया। निगम ने सभी विक्रेताओं को आवंटित स्थान पर ही व्यवसाय करने के निर्देश दिए हैं। बाजार में नो-व्हीकल जोन बाजार के भीतर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पूरे बाजार परिसर को नो-व्हीकल जोन बनाया गया है। अब विक्रेताओं और ग्राहकों को बाजार के अंदर वाहन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने की अपील की गई है। थोक सब्जी विक्रेताओं के वाहनों के लिए भी बाजार परिसर में अलग स्थान चिन्हित किए गए हैं, ताकि अनियमित पार्किंग के कारण बाजार और मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित न हो।

दूध नदी पर पुल और पहुंच मार्ग के लिए 16.15 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने कांकेर जिले में दूध नदी पर उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 16 करोड़ 14 लाख 71 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की है। यह पुल कोदाभाठ-माटवाड़ा मोदी मार्ग पर बनाया जाएगा। शासन ने जारी किया स्वीकृति पत्र उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन की ओर से राशि स्वीकृति का पत्र लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया गया है। स्वीकृत राशि से पुल के साथ आवश्यक पहुंच मार्ग का निर्माण भी किया जाएगा। समय-सीमा में पूरा करना होगा काम लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को निर्माण एजेंसी के साथ निर्धारित अनुबंधित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने अनावश्यक रूप से समय-सीमा बढ़ाने से भी बचने को कहा है। केवल अपरिहार्य और नियंत्रण से बाहर माने जाने वाले कारणों के आधार पर सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी। गुणवत्ता पर विशेष जोर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री और पूरे कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कोदाभाठ-माटवाड़ा मोदी मार्ग पर बनेगा पुल और पहुंच मार्ग

रायपुर। राज्य शासन ने कांकेर जिले में दूध नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 16 करोड़ 14 लाख 71 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह पुल कोदाभाठ-माटवाड़ा मोदी मार्ग पर बनाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद शासन ने राशि स्वीकृति का पत्र लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कार्य की समय-सीमा में अनावश्यक वृद्धि नहीं की जाएगी। केवल अपरिहार्य और नियंत्रण से बाहर माने जाने वाले कारणों की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा बढ़ाई जा सकेगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पुल निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री और पूरे कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। राज्य शासन ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा निर्धारित समय-सीमा में कराने तथा निर्माण के दौरान स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप कार्य संपादित करते हुए मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

प्रदेशभर में कल से स्वास्थ्य सेवाओं का बहिष्कार, अस्पताल के बाहर देखे जाएंगे मरीज

रायपुर। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जेडीए) छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पतालों में लंबित मांगों को लेकर आंदोलन के अगले चरण की घोषणा की है। जेडीए के अनुसार, कल से प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं का बहिष्कार किया जाएगा। हालांकि, मरीजों को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए अस्पताल के बाहर समानांतर ओपीडी संचालित कर जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। जेडीए के अनुसार, 18 सितंबर को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ हुई चर्चा के दौरान संगठन ने अपनी प्रमुख मांगें रखी थीं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मांगों के समाधान के लिए 7 दिनों का समय मांगा था। इसके आधार पर संगठन ने अपना प्रस्तावित आंदोलन स्थगित कर दिया था और इस अवधि में नियमित चिकित्सा सेवाएं जारी रखी थीं। जेडीए का कहना है कि सात दिनों की अवधि पूरी होने के बाद भी संगठन द्वारा उठाई गई।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को पराजित कर जीता स्वर्ण पदक

छत्तीसगढ़ की बेटी संजू ने बढ़ाया देश-प्रदेश का गौरव-साय

- मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्टार खिलाड़ी संजू देवी से फोन पर की आत्मीय बातचीत, स्वर्णिम सफलता के लिए दी बधाई
- मुख्यमंत्री ने कहा - संजू देवी की उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए बनेगी प्रेरणा
- भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत में कोरबा की संजू देवी ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी सुश्री संजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने

अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर, प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों, आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें। उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भारतीय टीम की इस स्वर्णिम सफलता में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुश्री संजू देवी भारतीय राष्ट्रीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला कबड्डी टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को भी इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय खिलाड़ी आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

436 रुपए के सुरक्षा कवच से मिला 2 लाख रूपए का सहारा

- कठिन समय में कानतु राम के परिवार का संबल बनी 'बिहान' की पहल

रायपुर/ संवाददाता

विपरीत परिस्थितियों में एक छोटी-सी बचत किस तरह किसी परिवार के लिए बड़ा संबल बन सकती है, इसकी बानगी छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में देखने को मिली है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ('बिहान') से जुड़कर महिलाओं में आई वित्तीय साक्षरता का ही सुखद परिणाम है कि आज ग्रामीण परिवार आकस्मिक संकट के समय आर्थिक रूप से खुद को सुरक्षित पा रहे हैं। धमतरी जिले के ग्राम अर्जुनी की रहने वाली स्वर्गीय सगनी बाई ध्रुव 'ठाकुर देव स्व-सहायता समूह' की एक सक्रिय सदस्य थीं। बिहान के माध्यम से चलाए जा रहे सामाजिक सुरक्षा अभियानों से प्रेरित होकर उन्होंने मात्र 436 रुपए के वार्षिक प्रीमियम पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत अपना बीमा कराया था।दुर्भाग्यवश, उनके असमय निधन के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन ऐसे कठिन समय में बिहान कैडर की मुस्तैदी और योजना की दूरदर्शिता परिवार के लिए एक आर्थिक ढाल बनकर सामने आई। इस पूरे प्रकरण में जमीनी स्तर पर काम कर रहीं बैंक सखी कामिनी विश्वकर्मा और बीमा सखी प्रतिमा साहू ने आगे बढ़कर परिजनों को ढांढस बंधाया और क्लेम से जुड़े आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए। इसके बाद आश्रय महिला क्लस्टर संगठन (देमार) के जरिए बैंक के साथ त्वरित समन्वय स्थापित किया गया, जिससे बीमा दावा प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो सकी। परिणामस्वरूप, सगनी बाई के पति श्री कानतु राम ध्रुव के बैंक खाते में 2 लाख रुपए की बीमा दावा राशि हस्तांतरित कर दी गई। कानतु राम के लिए यह राशि केवल एक वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि कठिन घड़ी में मिला एक मजबूत सामाजिक सहारा है।

मोतीबाग कमांड एरिया में लो-प्रेशर की समस्या का जल्द होगा समाधान

रायपुर। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा एबीडी एरिया में पाइपलाइन बिछाने के बाद पेयजल आपूर्ति सुबह और शाम दोनों समय शुरू कर दी गई है। योजना के तहत गंज और मोतीबाग कमांड एरिया में जलप्रदाय किया जा रहा है। कुछ घरों में लो-प्रेशर की शिकायत मोतीबाग कमांड एरिया के कुछ हितग्राहियों से कम दबाव के साथ पानी आने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों का लगातार स्थल निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार संधारण कार्य किए जा रहे हैं। 5 एलपीएम निर्धारित है प्रेशर योजना के तहत घरेलू नल कनेक्शन में 5 एलपीएम का प्रेशर निर्धारित किया गया है। इसी मानक के अनुसार जलप्रदाय किया जा रहा है। पंप अपग्रेडेशन से समस्या होगी दूर वर्तमान में मोतीबाग कमांड एरिया के अंतर्गत ब्राह्मणपारा वार्ड के टेल एंड स्थित कुछ घरों में लो-प्रेशर की समस्या सामने आई है।

एनआईए कोर्ट के फैसले से आधा-अधूरा न्याय ही हुआ

भाजपा नहीं चाहती झीरम का सच सामने आये-दीपक बैज

- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी राज्य की एसआईटी ने झीरम के जांच क्यों शुरू नहीं किया?

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एनआईए की जांच और फैसले में आधा न्याय ही हुआ है। झीरम घाटी कांड एक ऐसा कांड था जिसने कांग्रेस के नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर दिया था। स्वतंत्र भारत में हुई दुर्दान्त और हृदय विदारक घटना भारतीय जनता

पार्टी के शासन काल में डॉ. रमन सिंह के राज में घटित हुई थी इसके गुनाहगारों को सजा जरूर मिलनी चाहिये। एनआईए की जांच में गुनाहगार बाहर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा डरती है झीरम का सच सामने आ जायेगा तो वह बेनकाब हो जायेगी। रमन सिंह से बड़ा क्रूर शासक आजाद भारत में आज तक नहीं हुआ। एक साथ विपक्ष के 32 नेताओं की हत्या हो गयी और तत्कालीन सरकार सच सामने आने देने से रोकने में पूरी ताकत लगा रखी थी। भाजपा के बड़े नेता झीरम की जांच को रोकने लगातार कोशिशें करते रहे उससे साफ है झीरम के पीछे तत्कालीन भाजपा सरकार की भूमिका संदिग्ध थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद कांग्रेस सरकार ने झीरम हमले की जांच के लिये एसआईटी का गठन किया था लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार एनआईए से झीरम की फाइल एसआईटी को नहीं देने दिया। एनआईए को हाईकोर्ट ने भी राज्य की एसआईटी को फाईल देने का आदेश दिया।

सेवा मेरा योगदान.... अभियान के तहत जल स्त्रोतों की साफ-सफाई

- नदी घाटों एवं जलाशयों को स्वच्छ रखने जनभागीदारी से चला विशेष अभियान

रायपुर/संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वन विभाग धमतरी वनमंडल द्वारा शुरू किए गए 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण जल स्त्रोतों एवं नदी घाटों में विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, नदी घाटों की स्वच्छता तथा आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। वन विभाग द्वारा अभियान की शुरुआत 23 सितंबर 2026 को पौधरोपण कार्यक्रम के साथ की गई थी। इसी क्रम में आज फुटहामुड़ा जलाशय, नरहरा जलप्रपात कोटरवाही, महानदी उद्गम स्थल फरसियां, नगरी स्थित महामाई मंदिर तथा गणेश घाट सिंहावा में जल स्त्रोतों एवं नदी घाटों की साफ-सफाई की गई। अभियान के दौरान नदी घाटों और जल स्त्रोतों के आसपास फेंकी गई प्लास्टिक बोतलें, कूड़ा-कचरा एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को हटाकर संबंधित स्थलों की सफाई की गई। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को जल स्त्रोतों और नदी घाटों में कचरा नहीं फेंकने के लिए जागरूक किया गया। वन विभाग की टीम ने लोगों से जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। अभियान के दौरान संबंधित स्थलों पर पौधरोपण भी किया गया। इसके माध्यम से जल संरक्षण के साथ-साथ हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। अधिकारियों ने कहा कि जल स्त्रोत केवल पेयजल एवं सिंचाई का आधार ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं। इनके संरक्षण के लिए प्रशासनिक प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है।'सेवा मेरा योगदान' अभियान के माध्यम से वन विभाग द्वारा स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

2 अक्टूबर से ग्राम सभाओं में तैयार होगी विकसित ग्राम पंचायत योजना

रायपुर। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में समग्र और सुनियोजित विकास के लिए 2 अक्टूबर से ग्राम सभाओं के माध्यम से विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसमें ग्रामीण अपने गांव की जरूरतों, समस्याओं और विकास की प्राथमिकताओं को तय करने में सीधे भाग लेंगे। स्थानीय संसाधनों, उपलब्ध परिसंपत्तियों और विकास संबंधी कमियों के आकलन के आधार पर आगामी कार्ययोजना तैयार की जाएगी। यह योजना वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की योजना तैयार करने का प्रमुख माध्यम होगी। ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद योजनाओं का विकासखंड और जिला स्तर पर समेकन किया जाएगा। 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं में योजना निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ग्रामीणों को ग्राम पंचायत के आधारभूत आंकड़ों, मानचित्रों, अनुमेय कार्यों और योजना तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। ग्राम सभा में विकास संबंधी कमियों, जल बजट और ई-जल पोर्टल से अनुशंसित कार्यों की जानकारी भी साझा की जाएगी। इसके साथ ही गांव में मौजूद ऐसी परिसंपत्तियों की पहचान की जाएगी, जो भौतिक रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन डिजिटल अभिलेखों में दर्ज नहीं हैं।

अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री पर महिला किसान चंद्रकांता को 9,510 रुपये की राहत

- महिलाओं के लिए पंजीयन शुल्क 4 से घटकर 2 प्रतिशत, स्टाम्प शुल्क में पहले से मिल रही 1 प्रतिशत छूट का भी मिला लाभ

रायपुर/ संवाददाता

अपने नाम जमीन होना किसी भी महिला के लिए आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कांकेर जिले के सरोना निवासी महिला किसान श्रीमती चंद्रकांता नेताम के लिए जमीन की रजिस्ट्री अब पहले की तुलना में कम खर्चीली हुई है। महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन पर पंजीयन शुल्क 4 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत किए जाने और स्टाम्प शुल्क में पहले से लागू 1 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलने से उन्हें रजिस्ट्री में कुल 9,510 रुपये की आर्थिक राहत मिली। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने इस बदलाव से मिला अपना अनुभव साझा किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन व्यवस्था को नागरिकों के लिए सरल और सुविधाजनक बनाने के साथ महिलाओं को आर्थिक राहत देने की दिशा में पहल की गई है। महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन पर शुल्क में दी जा रही रियायत का लाभ श्रीमती चंद्रकांता नेताम जैसी महिला किसानों तक सीधे पहुंच रहा है। श्रीमती नेताम ने बताया कि अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री कराने के दौरान उन्हें महिलाओं के लिए लागू शुल्क रियायत का लाभ मिला। पंजीयन शुल्क 4 प्रतिशत के स्थान पर 2 प्रतिशत लगने से रजिस्ट्री का खर्च कम हुआ। इसके साथ ही महिला क्रेता को स्टाम्प शुल्क में पहले से मिल रही 1 प्रतिशत की छूट का लाभ भी मिला। दोनों रियायतों के कारण उन्हें कुल 9,510 रुपये की बचत हुई। एक किसान परिवार के लिए रजिस्ट्री में बची यह राशि मायने रखती है। श्रीमती नेताम ने इस आर्थिक राहत को महिलाओं के हित में उपयोगी पहल बताते हुए छत्तीसगढ़ शासन और पंजीयन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। महिलाओं के नाम संपत्ति के पंजीयन पर शुल्क में रियायत केवल रजिस्ट्री का खर्च कम करने तक सीमित नहीं है। इससे परिवारों को महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने और पंजीयन कराने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन भी मिल रहा है। संपत्ति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से उनकी आर्थिक सुरक्षा और परिवार में वित्तीय भागीदारी को भी मजबूती मिलती है। आर्थिक राहत के साथ पंजीयन विभाग द्वारा तकनीक आधारित सुविधाओं के माध्यम से रजिस्ट्री की प्रक्रिया को भी सरल बनाया जा रहा है।

बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर

खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी व्यवस्था समय पर हो पूरा-खाद्यमंत्री बघेल....

- 3.64 लाख गठान नए जूट बारदानों की व्यवस्था कर रहा विपणन संघ
- अब तक 1.14 लाख गठान नए जूट बारदाने प्राप्त, शेष बारदानों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन ने तैयारियां

तेज कर दी हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में गुरूवार 24 सितंबर को आयोजित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में किसानों की सुविधा, धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था, जूट बारदानों की उपलब्धता तथा कस्टम मिलिंग के चावल जमा करने की प्रगति पर की गई। बैठक में कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं, ताकि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 360 नवीन धान खरीदी केंद्र खोले गए हैं। इन नए केंद्रों में धान खरीदी से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने नवीन खरीदी केंद्रों में धान उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी जरूरी संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप समिति ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया किसान-केंद्रित हो तथा खरीदी केंद्रों पर किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

संपादकीय

तेल पर अमेरिका का दबाव, भारत के सामने फिर खड़ा हुआ शुल्क-युद्ध का खतरा

नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद भारत के सामने संभावनाएं और विकल्प के नए रास्ते खुल रहे हैं। ऐसे में बेहतर हो कि अमेरिका अपनी शुल्क-नीति के सहारे टकराव के नए मोर्चे खोलने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग का साझीदार बने। कुछ समय की नरमी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर से आर्थिक मोर्चे पर अपनी मनमानी का रुख अख्तियार कर लिया लगता है। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि मौजूदा भू-राजनीतिक दौर में जब दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है, अमेरिका आखिर क्यों यह चाहता है कि कोई देश उसके प्रभाव में खुद को समेट कर रखे और दूसरी ओर न देखे, भले ही इस क्रम में उसे अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर होना पड़े।यह बेवजह नहीं है कि उसकी मनमर्जी को ज्यों का त्यों स्वीकार करने के बजाय कुछ देश अब अपना वैकल्पिक रास्ता भी तैयार रखना चाहते हैं। भारत भी वैसे देशों में एक है, जिसे अमेरिका ने पिछले साल शुल्क दरें बढ़ा कर अपने प्रभाव में लाने और वहीं सीमित रखने की कोशिश की थी, लेकिन भारत ने अपने विवेक का सहारा लेकर वैकल्पिक मोर्चे तैयार रखे और इसी वजह से उसे विपरीत हालात से निपटने में मदद भी मिली।मगर यह भी सच है कि जिन चुनौतियों से सहजता के साथ निपटा जा सकता है, ऐसी स्थिति में उनसे पार पाने में अतिरिक्त ऊर्जा और संसाधन खर्च करने की जरूरत पड़ती है।गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद शुल्क लगाने की ओर कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ भारत और चीन जैसे उसके तेल एवं गैस के व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' विधेयक पारित किया है। अमेरिकी सीनेट इसे पिछले महीने ही पारित कर चुकी है। ट्रंप अगर इस पर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो उसके बाद यह कानून बन जाएगा।यानी ट्रंप के हाथ अब एक ऐसा हथियार है, जिसके जरिए वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब चाहें, शुल्क-युद्ध शुरू कर सकते हैं या उसे किसी खास देश को अपने प्रभाव में लाने के लिए इस्तेमाल में ला सकते हैं। पिछले साल अगस्त में भी अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के सवाल पर भारत पर पचास फीसद तक का शुल्क लगा दिया था, लेकिन एक व्यापारिक समझौते के तहत अतिरिक्त शुल्क को फरवरी 2026 में हटा लिया गया था।अब फिर से इस बात की आशंका खड़ी हो रही है कि अमेरिका में अगर यह कानून अमल में आ जाता है, तो वह रूस से तेल खरीद के सवाल पर भारत और चीन पर नए सिरे से शुल्क लगाने और अपनी मनमानी थोपने की कोशिश कर सकता है। हालांकि भारत ने इस बार यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अमेरिका की मनमर्जी के प्रभाव में आने के बजाय अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है।

यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

(ललित गर्ग)

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक- यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य था।य आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।

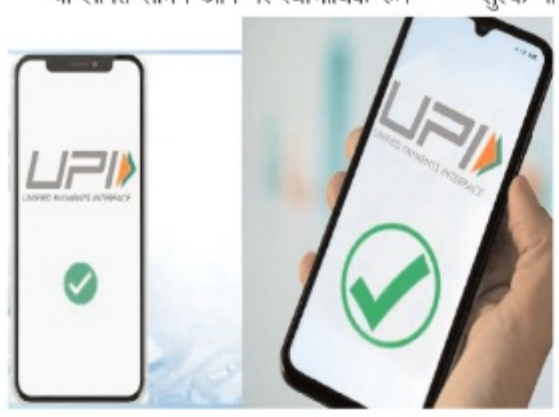

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रण-नीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।

इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सवाल से नहीं, जवाब के लहजे से बिगड़ रहे हैं रिश्ते

(अनिता वर्मा)

आज भौतिकवादी दौड़ में सब चले जा रहे हैं, कोई किसी को सुनना नहीं चाहता। सब आत्मकेंद्रित होकर स्वयं को सही मानकर चले जा रहे हैं।

प्रश्नाकुलता जीवंतता की निशानी कही जा सकती है। प्रश्न करना बौद्धिक मंथन का पर्याय है। प्राचीन समय से ही प्रश्न जीवन यात्रा के अहम पड़ाव रहे हैं। जीवन और उसके आसपास के परिवेश पर चिंतन-मंथन हमें प्रश्नाकुल बनाता है। लोक जीवन में व्याप्त पहेलियों के जन्म का मूल भी यही रहा है। मानव सदैव से जिज्ञासु है।

वह वैसा सब जानना चाहता है, जिनसे वह अनभिज्ञ है, जो उसके भीतर द्वंद्व पैदा करता है, व्याकुल बनाता है, लेकिन आज प्रश्न केवल प्रश्न नहीं रहे। वे प्रतिप्रश्न के साथ जुड़कर संवाद की दिशा बदल रहे हैं। फिर प्रतिप्रश्न का लहजा, बोलने का ढंग, तरीका इतना अजीब है कि ये परिवार, रिश्तों, दोस्तों के बीच गहरी खाई बनते जा रहे हैं।

आज भौतिकवादी दौड़ में सब चले जा रहे हैं, कोई किसी को सुनना नहीं चाहता। सब आत्मकेंद्रित होकर स्वयं को सही मानकर चले जा रहे हैं।

प्रारंभ से ही प्रश्न के मूल आधार शब्द क्यों, कब, कैसे रहे हैं। इनके जवाब भी तसल्ली और शालीनता से दिए जाते रहे हैं, पर इन दिनों संवाद शैली में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। आपसी बातचीत और संवाद की शैली ही मानो बदल गई है। सब ओढ़ी हुई व्यस्तता में मस्त हैं। कुछ उदाहरण यहां उल्लेखनीय हैं। दो मित्रों की बातचीत है। एक मित्र- 'क्या बात है बहुत दिनों से दिखे नहींज न तो फोन उठाते हो न जवाब देते हैं?' प्रत्युत्तर में मित्र ने कहा- 'हां, तो क्या हो गया? अब कह लो, क्या कहना है! कभी व्यस्तता के चलते हो जाता है।'

हालांकि जिन्हें घनिष्ठ मित्रों या परिवार जन से सामंजस्य बनाकर चलना होता है, या कहें संबंधों को आगे तक बनाए रखने का मन होता है, वे इसे अनदेखा करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। मगर किया गया प्रतिप्रश्न सामने वाले को भीतर तक आहत तो अवश्य करता है। स्वस्थ रिश्ते मरने लग जाते हैं।

इसीलिए कहा गया है कि बातचीत करना भी एक कला है। भागदौड़ भरे जीवन में मनुष्य यह महसूस नहीं कर पाता कि ऐसे कटु संवाद और व्यवहार से वह क्या खोता चला जा रहा है और एक दिन यही उसके तनाव, अंतर्द्वंद्व, अवसाद का प्रमुख कारण बन जाते हैं। रोजाना सड़क पर चलते हुए, आस-पड़ोस, गली-मोहल्ले में ऐसे दृश्य दिखाई देते हैं, जहां बोलना जरूरी होता है, पर सब चुप्पी लगाए रहते हैं। उनका कहना है कि कौन आफत मोल ले।

एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी से सिर्फ इतना कहा कि 'गली में गाड़ी जरा धीरे चलाओ.. ये अपना साइलेंसर ठीक करा लो। रोज इतना शोर होता है,ज छोटे बच्चे भी गली में हैं!' जवाब मिलता है- 'हां तो? गली में आना-जाना क्या बंद कर दें?' बस यही 'हां तो' का लहजा इतना तकलीफदेह होता है कि वाद-विवाद शुरू हो जाता है। हाथापाई होने लगती है और चारों तरफ तमाशबीन एकत्र हो जाते हैं।

आज कई घरों में भी प्रश्न और प्रतिप्रश्न के बीच संवाद कब टकराहट में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। तर्क तो ठीक है, पर कुतर्क हमेशा विवाद और बहस को जन्म देते हैं। उसका प्रभाव देर तक मस्तिष्क पर रहता है, जो संबंधों में तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा करता है। जब तक हम चुप रहते हैं, किसी की गलती को इंगित नहीं करते, तब तक सब ठीक चलता रहता है। बोलते ही उलटा वार शुरू हो जाता है।

आज परिवेश बदल रहा है। प्रत्येक व्यक्ति ज्ञान से समृद्ध है, पर यह ज्ञान कहां और कब प्रयुक्त करना है, इसका अभाव ही विवाद को जन्म देता है। भावों का संप्रेषण सही न होने पर भी स्थितियां विकट हो जाती हैं। कई बार मोबाइल पर किए संवाद आग में घी का काम करते हैं। बात करने वाले के भाव नहीं दिखते, आवाज सुनाई देती है। यहीं पर अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं।

हमेशा प्रश्नात्मक बने रहना भी उचित नहीं रहता। सहजता और सरलता भी जरूरी होती है, जिससे संवाद आनंददायक और प्रभावी बन सके। हालांकि कई बार सहजता से किए गए प्रतिप्रश्न और प्राप्त सही उत्तर उपयोगी और ज्ञानवर्धक भी सिद्ध होते हैं। मनुष्य को समृद्ध भी करते हैं। बोलने का तरीका या लहजा भी सार्थक संवाद की विशिष्टता कहे जा सकते हैं। प्रश्नाकुल बनना चाहिए, पर स्वयं को समृद्ध करने के लिए, न कि व्यर्थ की बहस में पड़ने के लिए। कई बार ऐसे दृश्य दिखाई पड़ जाते हैं कि कोई व्यक्ति गली में किसी के घर के सामने अपनी गाड़ी कुछ समय के लिए खड़ी करके कोई पता पूछ रहा हो, वहां से गुजरने वाले अन्य वाहनवाले हार्न बजा-बजा कर अहसास दिला देते हैं कि आप गलत हैं। बात सामान्य है, पर जब सामने वाले की भाव-भंगिमा से लगे कि वह कुछ देर में जाने वाला है, वह इशारा भी करे, तो भी उसे भला-बुरा कहा जाए। कई बार सिर्फ इतनी ही बात भयंकर झगड़े का कारण बन जाती है। भाषा व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होती है। भाषा भावों की वाहिनी कही जाती है और बोला गया प्रत्येक वाक्य सामने वाले पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ता है।

बढ़ते तापमान से खेती पर गहराता संकट, फसलों से किसानों की आय तक पर असर

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं 'इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' ने जून 2021 में जारी चार हजार पन्नों की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों से अवगत कराया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2050 तक आठ करोड़ से अधिक लोग भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अगर वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

(रवि शंकर)

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक ताप का खतरा लगातार बढ़ रहा है। बेशक यह मानवीय गतिविधियों का ही नतीजा है, लेकिन हम ऐसा कोई कारगर उपाय नहीं खोज पाए हैं, जो इस संकट से उबार सके। भारत में बदल रहे मौसम के मिजाज को भी जलवायु परिवर्तन से जोड़कर ही देखा जा रहा है। कभी असमय गर्मी, तो कभी अत्यधिक बारिश की घटनाएं आम हो गई हैं। देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले मानसून की चाल भी बदल रही है। जाहिर है, इससे कृषि पर विपरीत असर पड़ रहा है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का उत्पादन ही प्रभावित नहीं हो रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी कम हो रही है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं 'इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' ने जून 2021 में जारी चार हजार पन्नों की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों से अवगत कराया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2050 तक आठ करोड़ से अधिक लोग भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अगर वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

इस चेतावनी को भविष्य की महज एक संभावना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, वहीं इसका असर किसानों की आय में कमी और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में भी देखा जा रहा है।

कृषि की उत्पादकता बढ़ाने में उपजाऊ मृदा, जल, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव इत्यादि का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। प्रत्येक फसल को तैयार होने के लिए एक उचित तापमान, वर्षा एवं आर्द्रता की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक मानक में भी परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। आने वाले दिनों में देश की बढ़ती आबादी में अलग-

अलग फसलों की मांग भी बढ़ेगी, मगर जलवायु परिवर्तन इस राह में मुश्किलें पैदा कर सकता है।

लिहाजा, देश की कृषि नीति को जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से निपटने के अनुकूल बनाना होगा और फसल उत्पादकता में सुधार तथा सुरक्षा जाल विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। वैज्ञानिक अध्ययनों के आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा।

उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, वहां तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती बाधित होगी, क्योंकि इन्हें ठंडक की जरूरत होती है। ठीक इसी तरह तापमान बढ़ने से मक्का, धान और ज्वार जैसी फसलों को नुकसान हो सकता है। इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता या कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दुनिया भर में देखने को मिल रहा है, यह बात अलग है कि इसका असर कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। तापमान में वृद्धि से वर्षा का क्रम धीमा पड़ता है और मिट्टी की नमी कम हो जाती है। ऐसे में सूखे की संभावना भी बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। इसके अलावा वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ने से अनाज में प्रोटीन, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्त्वों का स्तर कम हो रहा है। गर्म जलवायु कीट-पतंगों की प्रजनन क्षमता को बढ़ाती है, जिससे खेतों में कीटों और रोगाणुओं का हमला तेज होता है।

जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिस कारण बाढ़, सूखा और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि भारत में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी भी प्रभावित हो रही है।

आने वाले वर्षों में बढ़ते तापमान की वजह से देश में कृषि पर संकट गहरा सकता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अभी से कृषि नीति में सुधार पर काम शुरू करना होगा, ताकि किसानों का पारंपरिक कृषि से मोहभंग न हो।

जलवायु परिवर्तन किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए वैश्विक स्तर पर ठोस उपायों की जरूरत है। यह न केवल कृषि के लिए, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए एक बड़ा खतरा है। कोई भी देश इसके प्रभाव से बच नहीं सकता। विकास की आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का मुख्य आधार आज भी कृषि ही है।

यदि तापमान में इसी तरह बढ़ोतरी होती रही, तो कृषि पर दिन-प्रतिदिन दबाव बढ़ता जाएगा, जिससे बड़ी आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। उल्लेखनीय है कि देश में पिछले चालीस वर्षों से बारिश की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के शुरू में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घटकर 119 सेंटीमीटर रह गई है।

गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों का जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि यहां 70 फीसद से अधिक लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी बढ़कर साढ़े नौ अरब से ज्यादा हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा अनाज पैदा करना होगा।

शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय बिलाईगढ़ में रंगोली कार्यक्रम का आयोजन, छात्राओं ने रंगों से उकेरे संस्कृति और देशभक्ति के चित्र

विकसित भारत और भारतीय संस्कृति थी रंगोली की थीम, भाजपा मंडल अध्यक्ष राधा राकेश हुई शामिल

छात्राओं की कलाकृति देख अतिथि हुए मंत्रमुग्ध, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

भटगांव। शहीद वीर नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय बिलाईगढ़ में कला और संस्कृति से भरपूर रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी कला और कल्पना से एक से बढ़कर एक सुंदर रंगोलियां बनाकर सबका मन मोह लिया। जहां कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष राधा राकेश शामिल हुईं। उनके साथ महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रंगों से सजा महाविद्यालय परिसर–वही महाविद्यालय मे सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल था। एनएसएस और सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित इस रंगोली कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय परिसर के मुख्य हॉल को सजाया गया था। प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग समूह बनाए गए थे। प्रत्येक समूह में 4-5 छात्राएं शामिल थीं। प्रतियोगिता का विषय विकसित भारत, भारतीय संस्कृति और नारी सशक्तिकरण रखा गया था। जैसे ही प्रतियोगिता शुरू हुई, छात्राओं ने फूलों, गुलाल और रंगों से अपनी कला को जमीन पर उकेरना शुरू कर दिया। देखते ही देखते पूरा फर्श रंग-बिरंगी कलाकृतियों से भर गया।किसी समूह ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देती रंगोली बनाई, तो किसी ने तिरंगे के साथ शहीद वीर नारायण सिंह का चित्र बनाया। कुछ छात्राओं ने स्वच्छ भारत डिजिटल इंडिया और छत्तीसगढ़ की संस्कृति को अपनी रंगोली का विषय बनाया। एक रंगोली में छात्राओं ने बहुत ही सुंदर तरीके से गणेश जी और लक्ष्मी जी की आकृति बनाई थी, जो आकर्षण का केंद्र बनी रही। रंगों के संयोजन और बारीक कारीगरी देखकर हर कोई दंग रह गया।

मुख्य अतिथि राधा राकेश ने की छात्राओं की सराहना–वही कार्यक्रम में शामिल हुईं मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष राधा राकेश ने सभी रंगोलियों का अवलोकन किया और छात्राओं की कला की जमकर सराहना की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय की बेटियों ने जो कला दिखाई है, वह सचमुच अद्भुत है। रंगोली केवल रंगों का खेल नहीं है, यह हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। हमारी संस्कृति में हर शुभ अवसर पर रंगोली बनाई जाती है, यह समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा आज की इन रंगोलियों में मुझे विकसित भारत का सपना दिखाई दे रहा है। हमारी बेटियां ही विकसित भारत की असली नींव हैं। आप सभी इसी तरह मन लगाकर पढ़ाई के साथ-साथ कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी अपना नाम रोशन करें। भाजपा सरकार हमेशा बेटियों की शिक्षा और कला को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। सुश्री राकेश ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी में कला कूट-कूट कर भरी है और बिलाईगढ़ महाविद्यालय की छात्राओं ने इसे आज साबित कर दिया है।

समाज सेवा व सनातन मूल्यों के लिए कार्य करने पर सत्येन्द्र सिंह सम्मानित

श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट व छ.ग.स्वराज सेना ने किया बिलासपुर में सम्मानित

चांपा। भोजपुरी समाज की जांजगीर चांपा जिला इकाई के संस्थापक अध्यक्ष एवं राष्ट्र संत श्रीधाम वृन्दावन निवासी परम पूज्य रितेश्वर महाराज के अनन्य भक्त चांपा स्थित आनंदम धाम के संचालक सत्येन्द्र सिंह को समाज सेवा, धर्म के अलावा सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए किये जा रहे कार्यों हेतु विगत दिनों बिलासपुर के होटल मैरियट में आयोजित एक समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। दोपहर 2.30 बजे से आयोजित समारोह में उन्हें मुख्य अतिथि अभिषेक वर्मा सहित छ. ग. स्वराज सेना के राष्ट्रीय संयोजक संजय सिंह राजपूत द्वारा स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय हैं कि सत्येन्द्र सिंह ने वर्ष 2009 में भोजपुरी समाज की जिला इकाई जांजगीर चांपा का गठन करने के बाद छठ पूजा की शुरुआत की थी। आज छठ पूजा में प्रति वर्ष होने वाले आयोजन में हर समाज के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त वे राष्ट्र संत श्रीधाम वृन्दावन निवासी परम पूज्य रितेश्वर महाराज से जुड़कर सनातन धर्म और मूल्यों की रक्षा के लिए विविध आयोजन करते आ रहे हैं. साथ ही भोजपुरी समाज को संगठित कर आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हैं। ऐसे में उन्हें मिला यह सम्मान केवल उनके लिए गौरव का विषय नहीं बल्कि समाज, धर्म एवं जनहित के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय होकर कार्य करने की भी प्रेरणा भी प्रदान करता हैं। उन्हें मिले सम्मान पर भोजपुरी समाज के अलावा परिजन और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया हैं।

जिला एथलेटिक संघ के मुख्य संरक्षक श्यामसुंदर अग्रवाल के नेतृत्व में होगा जिला स्तरीय ट्रायल

सक्ती। जिला एथलेटिक्स संघ सक्ती के तत्वावधान में 27 सितंबर 2026 रविवार को सक्ती के पं.दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन किया गया है।जिला एथलेटिक्स संघ के मुख्य संरक्षक एवं नगर पालिका परिषद सक्ती के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के संरक्षण व नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिला एथलेटिक्स संघ सक्ती राष्ट्रीय स्तर के एथलीट तैयार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।सेवा निवृत्त खेल अधिकारी एवं जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव एन.पी. गोपाल ने बताया कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा इस वर्ष 20वें नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट2026 का आयोजन 14 से 16 नवंबर 2026 तक वाक्सन यूनिवर्सिटी हैदराबाद (तेलंगाना) स्थिति खेल परिसर में होना है। जिसके लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है।

इसी तारतम्य में इस प्रतियोगिता के लिए जिला एथलेटिक्स संघ सक्ती के द्वारा जिला स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें चयनित एथलीटों को उक्त राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होने का सुनहरा अवसर मिलेगा।इस ट्रायल में अंडर 14 बालक-बालिकाओं के लिए ट्राई एथ लान, कीड्स जेवलिन थ्रो एवं अंडर 16 बालक-बालिकाओं के लिए पेंटा एथलान, जैवलिन थ्रो एवं दोनों आयु वर्गों के लिए 60 मीटर दौड़,600मीटर दौड़ लांग जंप,हाई जंप,बैक थ्रो इवेंट्स शामिल हैं।प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ एवं जिला एथलेटिक्स संघ सक्ती का पंजीयन एवं निर्धारित आयु मानदंड को पूरा करना अनिवार्य है।इस चयन ट्रायल के लिए जिला एथलेटिक्स संघ ने अपनी तैयारियों भी शुरू कर दिया है और खिलाड़ियों को निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला एथलेटिक्स संघ सक्ती ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

नटवर स्कूल मैदान में चला विशेष सफाई अभियान, जनभागीदारी से दिया स्वच्छता का संदेश

सेवा ही संकल्प अभियान के तहत सभापति डिग्री लाल साहू, उपायुक्त सुतीक्ष्ण यादव सहित निगम अमले ने की सफाई

रायगढ़। नगर निगम रायगढ़ द्वारा स्वच्छ एवं सुंदर रायगढ़ के संकल्प के साथ चलाए जा रहे 'सेवा ही संकल्प अभियान' के तहत आज नटवर स्कूल मैदान में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर निगम सभापति डिग्री लाल साहू, उपायुक्त सुतीक्ष्ण यादव, एसडब्ल्यूएम सुपरवाइजर, स्वच्छता दीदियां, निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं सफाई अमले ने श्रमदान करते हुए मैदान की व्यापक साफ -सफाई की। विशेष सफाई अभियान के दौरान नटवर स्कूल मैदान में जगह-जगह बिखरे सिंगल यूज प्लास्टिक, कागज, दोना-पत्तल, पैकेट, प्लास्टिक के विभिन्न सामान, डब्बे-डिब्बियां, सीसी एवं डिस्पोजल सामग्री सहित अन्य कचरे को एकत्रित कर हटाया गया। इसके साथ ही मैदान के चारों ओर फैली घास, खरपतवार एवं अन्य अवांछित सामग्री की भी सफाई कर मैदान को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया।

स्वच्छता केवल निगम की नहीं, हम सभी की जिम्मेदारीः सभापति डिग्री लाल साहू इस अवसर पर निगम सभापति डिग्री लाल साहू ने कहा कि 'सेवा ही संकल्प' अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि शहरवासियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करना है। सार्वजनिक मैदान और अन्य सार्वजनिक स्थान सभी के उपयोग के लिए हैं, इसलिए इन्हें स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सफाई अभियान के दौरान मैदान से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, कागज, डिस्पोजल एवं अन्य कचरा हटाया गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करें तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जब नागरिक स्वयं स्वच्छता को अपनी आदत और जिम्मेदारी बनाएंगे, तभी स्वच्छ रायगढ़ का संकल्प साकार होगा।

स्वच्छता अभियान को जनअभियान बनाने महापौर की अपील–महापौर जीवर्धन चौहान ने शहरवासियों से 'सेवा ही संकल्प अभियान' से जुड़कर स्वच्छता को जनअभियान बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब नागरिक सफाई के बाद उस स्थान को दोबारा गंदा न करने का संकल्प लें। महापौर चौहान ने शहर वासियों से सार्वजनिक मैदानों, उद्यानों, चौक-चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकने के बजाय निर्धारित स्थान पर ही कचरा देने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

स्वच्छता के साथ कचरा मुक्त व्यवहार जरूरी: कमिश्नर–नगर निगम कमिश्नर बृजेश सिंह क्षत्रिय ने कहा कि 'सेवा ही संकल्प अभियान' के तहत सफाई के साथ-साथ नागरिकों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने पर भी जोर दिया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाना, गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग देना तथा सिंगल यूज प्लास्टिक से बचना स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और गंगरेल डेम का पानी छोड़े जाने से महानदी उफान पर

शबरी सेतु डूबा–शिवरीनारायण का रायपुर, बलौदा बाजार और सारंगढ़ से सम्पर्क टूटा

शिवरीनारायण । छत्तीसगढ़ में लगातार रूक रूक कर हो रहे बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है और राज्य के सभी नदी - नाले ऊफान पर है। इधर पवित्र नगरी शिवरीनारायण में महानदी, शिवनाथ और जोक नदी का संगम स्थल है जहां तीनों नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच गंगरेत डेम से 3 लाख क्युसेक पानी छोड़े जाने से शिवरीनारायण में महानदी का जल स्तर काफी तेजी से बढ़ रहा है। शबरी सेतु डूब गया है और इसके ऊपर से पानी बह रहा है शबरी सेतु के डूब जाने से छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध धार्मिक स्थल एवं व्यापारिक नगरी शिवरीनारायण का सम्पर्क रायपुर, बलौदा बाजार, सारंगढ़ एवं रायगढ़ जिले से टूट गया है। महानदी में बाढ़ का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है वही आसमान में बदली छाई हुई है और अभी भी रूक रूक कर बारिश हो रही है। यदि महानदी का जल स्तर ऐसी बढ़ती रहेगी तो शिवरीनारायण में बाढ़ की स्थिति काफी गंम्भीर हो जायेगी और नगर में बाढ़ का पानी घुस जाएगा। नगर के व्यापारी वर्ग महानदी के जल स्तर को बढ़ते देख कर काफी सहमे हुए हैं। वहीं नदी के दुसरे छोर पर स्थित गिधौरी ग्राम की स्थिति बाढ़ से काफी गम्भीर हो गई है वहां के व्यापारी अपनी-अपनी दुकानों के सामान को हटाकर सुरक्षित स्थानों में जा रहे हैं। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए पुल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के लिए गोताखोरों की तैनाती की गई है। क्षेत्र के छोटे-बड़े नालों और पुल-पुलियों के ऊपर से भी पानी बहने लगा है। हालांकि शिवरीनारायण नगर की किसी भी बस्ती में बाढ़ का पानी प्रवेश नहीं किया है।महानदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए शिवरीनारायण से लेकर चंद्रपुर तक नदी किनारे बसे क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की टीमें संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं। जलमग्न पुल-पुलियों और सड़कों पर आवागमन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।जांजगीर-चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने शिवरीनारायण सहित बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राजस्व और पुलिस अधिकारियों को जलमग्न रास्तों पर किसी भी तरह का आवागमन नहीं होने देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आम नागरिकों से अपील की है कि पानी से भरे पुल-पुलियों, नालों और सड़कों को पार करने का जोखिम न उठाएं तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

महिला बाल विकास विभाग परियोजना शक्ति के 42 आंगनबाड़ी केंद्रों में हुआ सेवा संकल्प के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम

सक्ती। छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन शक्ति के निर्देशानुसार शक्ति परियोजना के भी 42 आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन के कार्यक्रम संपन्न हुए तथा उपरोक्त कार्यक्रमों में जहां स्वयं शक्ति जिले की कलेक्टर जय जैन ने भी पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया तो वहीं शक्ति परियोजना में परियोजना अधिकारी श्याम कंवर के मार्गदर्शन में विभाग के कर्मचारी पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे रहे।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम, आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ संवाद कार्यक्रम का आयोजन 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों, माताओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, हितग्राहियों के साथ संवाद तथा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आंगन मिलन सेवा के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर जयश्री जैन ने आंगनबाड़ी केंद्र घनेलीभाठा डुमरपारा, अमलडीहा, खुसरुडेरा आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों व हितग्राहियों से सहज संवाद किया। इस अवसर पर कलेक्टर जैन ने आंगनबाड़ी केंद्रो में उपस्थित छोटे-छोटे बच्चों के पालकों व महिलाओं को कहा कि इस तरह के आयोजन में गांव के सभी लोगों को जरूर जुड़ना चाहिए। क्योंकि आपस में मिलने से नई-नई ज्ञान की चीज लोग एक दूसरे से सीख पाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अच्छी चीजों को दूसरों को भी सीखना और बताना चाहिए ताकि सभी का सर्वांगीण विकास हो सके। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित विभिन्न महिलाओं, जनप्रतिनिधियो, बच्चों के पालकों, ग्रामीणों आदि से अन्य कई महत्वपूर्ण चर्चाएं और विचार विमर्श भी की।उन्होंने आँगनबाडी केंद्रो मे उपस्थित बच्चों की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर बच्चों ने गीत एवं अल्फाबेट भी सुनाई। कलेक्टर ने बच्चों से बातचीत कर उनकी सीखने की गतिविधियों और अन्य कौशल विकास की जानकारी भी ली। कलेक्टर जैन ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषण एवं भोजन व्यवस्था की जानकारी लेते हुए बच्चों को निर्धारित समय पर भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध पोषण सामग्री तथा बच्चों के लिए तैयार की गई पौष्टिक थाली का भी अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए बेहतर एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों को बेहतर बनाना, बच्चों के पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देना तथा माताओं, हितग्राहियों, बच्चो के पालकों और समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सीडीपीओ श्रीमती श्याम कंवर, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर कार्यकर्ता व सहायिका सहित छोटे-छोटे बच्चे, उनके पालक और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही

श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर दी शुभकामनाएं

नव पदस्थ तहसीलदार मनीष कुमार सूर्यवंशी का सरसींवा में अधिवक्ताओं ने किया भव्य स्वागत

भटगांव । तहसील सरसींवां में नव पदस्थ तहसीलदार के रूप में मनीष कुमार सूर्यवंशी ने पदभार ग्रहण किया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उनका जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है। इसी कड़ी में भटगांव में अभिभाषक संघ द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। जहां अभिभाषक संघ भटगांव के अध्यक्ष अधिवक्ता फिरितलाल खटकर के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने तहसील कार्यालय पहुंचकर नव पदस्थ तहसीलदार मनीष कुमार सूर्यवंशी का श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं तथा तहसील क्षेत्र में विधि व्यवस्था और राजस्व कार्यों में बेहतर समन्वय की अपेक्षा जताई। वहीं स्वागत कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष फिरितलाल खटकर ने कहा कि मनीष कुमार सूर्यवंशी एक अनुभवी और मिलनसार अधिकारी हैं। उनसे अधिवक्ता संघ को काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि तहसील में राजस्व से संबंधित मामलों में आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, विशेषकर नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और जाति प्रमाण पत्र जैसे कार्यों में। हमें उम्मीद है कि उनके आने के बाद इन कार्यों में तेजी आएगी और जनता को त्वरित न्याय मिलेगा। नव पदस्थ तहसीलदार मनीष कुमार सूर्यवंशी ने अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके सहयोग के बिना राजस्व प्रशासन का सुचारू संचालन संभव नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि तहसील कार्यालय में आने वाले हर फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना जाएगा और नियमानुसार त्वरित निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि अधिवक्ताओं के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम किया जाए और किसी भी अधिवक्ता या पक्षकार को अनावश्यक रूप से कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त रखना उनकी प्राथमिकता होगी। अवैध अतिक्रमण, अवैध रेत उत्खनन और राजस्व से जुड़े लंबित प्रकरणों का भी समयबद्ध निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर अधिवक्ता कोमल प्रसाद, आशुतोष केशवानी मालजमदार, परमानंद निराला, कोटवार रविदास मानिकपुरी घसिया सहित तहसील कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने नव पदस्थ तहसीलदार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

अधिवक्ताओं ने रखीं कई मांगें–स्वागत के दौरान अभिभाषक संघ के अध्यक्ष फिरितलाल खटकर ने तहसीलदार के समक्ष अधिवक्ताओं की कुछ मांगें भी रखीं। उन्होंने कहा कि तहसील परिसर में अधिवक्ताओं के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। बरसात के दिनों में अधिवक्ताओं और पक्षकारों को काफी परेशानी होती है।

इसके लिए अधिवक्ता कक्ष का निर्माण और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने तहसील में लंबित राजस्व प्रकरणों की सूची सार्वजनिक करने और हर सप्ताह उनकी सुनवाई की तिथि निर्धारित करने की मांग की ताकि पक्षकारों को बार-बार तारीख न लेनी पड़े। अधिवक्ता कोमल प्रसाद ने कहा कि सीमांकन के मामलों में अक्सर राजस्व और पुलिस का समन्वय नहीं हो पाता, जिससे विवाद की स्थिति बनती है। इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अधिवक्ता आशुतोष केशवानी ने कहा कि भटगांव और सरसींवां क्षेत्र में राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों की संख्या काफी अधिक है। कई प्रकरण सालों से लंबित हैं।

शक्ति की माँ दुर्गा उत्सव समिति गौरवशाली 26 वें वर्ष मां का उपहार मिलेगा 81 भक्तों को

सक्ती। शक्ति शहर के बुधवारी बाजार में इस वर्ष भी 26 वें वर्ष में मां दुर्गा उत्सव समिति द्वारा दुर्गा पंडाल का भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा एवं पूरे दुर्गा महोत्सव को लेकर व्यापक रूप से तैयारी की जा रही है तो वहीं इस वर्ष भी माँ का उपहार ड्रा इस बार माँ का आशीर्वाद, 81 खुशियों के साथ आने वाला है एवं माँ दुर्गा उत्सव समिति सक्ती लेकर आ रही है माँ का उपहार एक ऐसा उपहार, जिसमें शामिल है 81 धामाका ईनामों के साथ माँ का आशीर्वाद और आपके लिए ढेरों खुशियाँ। मां दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां के खजाने के लिए भक्त जनों को सिर्फ 151 की सहयोग राशि में जीतने का अवसर प्रदान किया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में होंडा शाइन बाइक। द्वितीय पुरस्कार के रूप में इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी साथ ही विजेताओं को मिलेगा रेफ्रिजरेटर। वॉशिंग मशीन। 32 इंच की एलइडी कलर टीवी। माइक्रोवेव। साइकिल। फ्रुट जूसर। मिक्सर। ग्राइंडर होम थिएटर। इंडक्शन। आयरन। डिनर सेट सहित सेट सहित 41 आकर्षक उपहार होंगे उपरोक्त जानकारी देते हुए मां दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम के तहत समस्त उपहारो का वितरण एवं लकी ड्रा का आयोजन 23 अक्टूबर 2026 को दिग्गज हस्तियों की गरिमामय उपस्थिति में किया जाएगा। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन सिर्फ हमारी समिति का नहीं, बल्कि उन सभी सम्मानित सहयोगकर्ताओं और प्रतिष्ठित संस्थानों' का भी गौरव है, जिन्होंने माँ के इस भव्य उत्सव को अपना सहयोग देकर इसे और विशेष बनाया है। आइए, माँ का आशीर्वाद लें और माँ का उपहार का हिस्सा बनें।

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब ऑफकोरबा द्वारा बांकी मोंगरा में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

कोरबा। रोटरी क्लब ऑफ कोरबा द्वारा विनायक पब्लिक स्कूल, बांकी मोंगरा के सहयोग से स्कूल परिसर में एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान, नेत्र एवं मोतियाबिंद जांच तथा दंत स्वास्थ्य परीक्षण जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। रक्तदान शिविर का आयोजन रेड क्रॉस सोसाइटी, कोरबा के सहयोग से किया गया, जिसमें 15 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। प्रसाद नेत्रालय, कोरबा के सहयोग से आयोजित नेत्र एवं मोतियाबिंद जांच में 58 लोगों की नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान लगभग 20–25 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी जरूरतमंद मरीजों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन रोटरी क्लब ऑफकोरबा द्वारा प्रसाद नेत्रालय, कोरबा में कराया जाएगा। इसके साथ ही रोटेरियन डॉक्टर संजय अग्रवाल के सहयोग से दंत स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष रूप से स्कूल के छोटे बच्चों के दांतों एवं मौखिक स्वास्थ्य की जांच की गई। इस सेवा से 100 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए। इस पूरे स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में रोटरी क्लब ऑफ कोरबा, विनायक पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर्स एवं स्कूल मैनेजमेंट का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सभी के सामूहिक प्रयासों से यह स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और बड़ी संख्या में लोगों एवं विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। रोटरी क्लब ऑफकोरबा समाज के जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने एवं जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्या अब टिकट की दावेदारी भी आर्थिक क्षमता से तय होगी 2 लाख पार्टी फंड और खाते में 20 लाख की शर्त पर धनेश कुमार सिंह ने उठाए सवाल

कोरबा। विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी को लेकर कांग्रेस की नई आर्थिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अधिवक्ता धनेश कुमार सिंह ने कहा है कि लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का रास्ता आम जनता के लिए खुला होना चाहिए, उसे आर्थिक क्षमता की कसौटी से सीमित नहीं किया जाना चाहिए। मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में विधानसभा टिकट के दावेदारों से 2 लाख पार्टी फंड में जमा करने तथा बैंक खाते में 20 लाख की राशि दिखाने की व्यवस्था लागू किए जाने की बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार खाते में दिखाई गई ?20 लाख की राशि निकालने की अनुमति भी नहीं होगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए धनेश कुमार सिंह ने कहा कि यदि किसी सामान्य परिवार से आने वाला व्यक्ति वर्षों से जनता के बीच काम कर रहा है, लेकिन उसके पास 20 लाख की बैंक जमा राशि नहीं है, तो क्या केवल इसी वजह से उसकी राजनीतिक दावेदारी समाप्त हो जाएगी? उन्होंने कहा कि राजनीति में आने के लिए व्यक्ति की जनसेवा, जनसमर्थन, सामाजिक सरोकार, संगठन के प्रति प्रतिबद्धता और जनता के बीच उसकी स्वीकार्यता महत्वपूर्ण होनी चाहिए। आर्थिक रूप से सक्षम होना अपने आप में जनप्रतिनिधि बनने की योग्यता का प्रमाण नहीं हो सकता। धनेश कुमार सिंह ने कहा कि 2 लाख की गैर-वापसी योग्य राशि और खाते में 20 लाख रखने जैसी शर्तें यदि वास्तव में दावेदारी की अनिवार्य पात्रता बनती हैं, तो पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसी व्यवस्था का उद्देश्य क्या है और इससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन योग्य लोगों को राजनीतिक अवसर कैसे मिलेगा। क्या लोकतंत्र में टिकट उस व्यक्ति को मिलना चाहिए जिसके पास अधिक पैसा है, या उस व्यक्ति को जिसके पास जनता का अधिक विश्वास है?

अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय को भाजपा का नमन, गोपाल मोदी ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

कोरबा। प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता परम श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती एवं अंत्योदय दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा श्रद्धा एवं सम्मान के साथ उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी सहित पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने एकात्म मानववाद के माध्यम से ऐसी विकास दृष्टि प्रस्तुत की, जिसमें समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। उनका अंत्योदय का विचार आज भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान, अवसर और खुशहाली पहुंचाने की प्रेरणा देता है। गोपाल मोदी ने आगे कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार और आदर्श भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए सदैव मार्गदर्शक हैं।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले के 247 केंद्रों में हुआ महापरीक्षा अभियान का आयोजन

राज्यव्यापी महापरीक्षा में सरगुजा के 4198 नवसाक्षरों ने उत्साह से लिया भाग

- सास-बहू, पति-पत्नी और वरिष्ठ नागरिकों ने भी दी परीक्षा, केंद्रीय जेल के 96 नवसाक्षर बंदी हुए शामिल
- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को सरगुजा जिले में राज्यव्यापी महापरीक्षा अभियान का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित महापरीक्षा में जिले के 4198 नवसाक्षर शिक्षार्थियों ने भाग लिया। जिले में परीक्षा के लिए कुल 247 केंद्र बनाए गए थे। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई। जिले में महापरीक्षा के लिए 4306 परीक्षार्थियों का लक्ष्य निर्धारित था, जिसके विरुद्ध शाम 5 बजे तक 4198 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा के व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन के लिए जिला, विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की गई। महापरीक्षा को लेकर नवसाक्षरों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई परीक्षा केंद्रों में एक ही परिवार से सास-बहू, पति-पत्नी और देवरानी-जेठानी ने परीक्षा में भाग लिया। दिव्यांगजनों ने भी उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज कराई। 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं ने भी परीक्षा देकर सीखने की कोई उम्र नहीं होती, इसका उदाहरण प्रस्तुत किया। कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचीं। ग्रामीण क्षेत्रों में महापरीक्षा अभियान उत्सव जैसा नजर आया। महापरीक्षा अभियान के तहत केंद्रीय जेल अम्बिकापुर में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया। केंद्रीय जेल की वरिष्ठ परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी श्रीमती वाणी मुखर्जी ने बताया कि यहां 35 महिला एवं 61 पुरुष बंदियों सहित कुल 96 नवसाक्षर बंदियों को महापरीक्षा में सम्मिलित कराया गया। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के उप सचिव श्री चरणजीत सिंह तनेजा, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ के उप संचालक श्री डी.के. कौशिक, सहायक कार्यक्रम समन्वयक पीएमश्री श्री राजेश कुमार सिन्हा, राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण की सहायक संचालक श्रीमती स्वाती दास एवं डॉ. छन्दा बनर्जी, डॉ. कैताली मैथ्यू, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सरगुजा संभाग डॉ. राजेश सिंह तथा जिला परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्री गिरीश गुप्ता ने केंद्रीय जेल स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्राध्यक्ष श्री शरण मिंज तथा पर्यवेक्षक श्री दिगम्बर सिंह एवं प्रिया टोप्पो ने परीक्षा संचालन में सहयोग किया। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय दल ने अम्बिकापुर विकासखंड के कोटेया, टपरकेला तथा मैनपाट विकासखंड के अवराडांड स्थित उल्लास परीक्षा केंद्रों का भी निरीक्षण कर महापरीक्षा अभियान का अवलोकन किया। दल द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान समग्र शिक्षा की सहायक परियोजना समन्वयक श्रीमती दीपमाला सिंह, श्री करुणेश श्रीवास्तव, डीपीओ श्री गिरीश गुप्ता, एपीसी स्टाफ सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता ने बताया कि महापरीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे शिक्षार्थियों को शामिल किया गया, जो शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित रहे अथवा प्रारंभिक स्तर पर ही शाला छोड़ चुके थे।

जम्मू-कश्मीर में सरगुजा की चार बेटियां दिखाएंगी गतका का दम

अंबिकापुर। 10वीं राष्ट्रीय सीनियर गतका प्रतियोगिता का आयोजन 29 सितंबर से 01 अक्टूबर 2026 तक श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में द गतका एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की टीम से छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए द गतका एसोसिएशन ऑफ सरगुजा की चार खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में अंडर-19 वर्ग में सरिता यादव एवं अल्का सोनी तथा अंडर-25 वर्ग में सुमन एवं नूर फातिमा शामिल हैं। चारों खिलाड़ी जम्मू-कश्मीर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए सरगुजा जिले और छत्तीसगढ़ का परचम लहराने के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिले में गतका खेल को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों और ग्रामीण अंचलों में गतका के प्रति खिलाड़ियों की रुचि बढ़ रही है और नियमित प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता में सरगुजा जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर सरगुजा जिले की चार बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना सरगुजा में गतका खेल के विस्तार और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। आने वाले समय में जिले से और अधिक प्रतिभावान खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षण गतिविधियों को और मजबूत किया जाएगा।

उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रेमनगर में महापरीक्षा का सफल आयोजन...

प्रेमनगर। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत राज्यव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान आकलन महापरीक्षा का आयोजन रविवार, 27 सितम्बर 2026 को विकासखंड प्रेमनगर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में किया गया। परीक्षा का समय प्रात: 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक निर्धारित रहा। विकासखंड प्रेमनगर में महापरीक्षा के लिए कुल 390 शिक्षार्थी शेष थे। परीक्षा के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन तथा केंद्रों की मॉनिटरिंग के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर गठित निगरानी दल के अंतर्गत विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रताप पैकरा एवं बीआरसी राजेश कुजूर को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी क्रम में बीईओ प्रताप पैकरा द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर महापरीक्षा की व्यवस्थाओं एवं शिक्षार्थियों की उपस्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने महंगई परीक्षा केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां 10 शिक्षार्थी महापरीक्षा में शामिल होकर बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान का आकलन कराया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा परीक्षा को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया। बीईओ एवं बीआरसी द्वारा विभिन्न केंद्रों का सतत निरीक्षण करते हुए परीक्षा संचालन की मॉनिटरिंग की गई। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के जिला मास्टर ट्रेनर कृष्ण कुमार ध्रुव ने बताया उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा से वंचित एवं नवसाक्षरों को पढ़ने, लिखने तथा दैनिक जीवन में आवश्यक संख्यात्मक ज्ञान से सक्षम बनाना है।

सेवा की कहानी: पहाड़ी कोरवा बसाहटों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवा,सात एमएमयू शिविरों के जरिए उपचार....

- चिकित्सक, स्टाफनर्स और लैब तकनीशियन की टीम दे रही सेवाएं, जरूरत पड़ने पर रेफरल का भी समन्वय

अम्बिकापुर। दूरस्थ पहाड़ी कोरवा बसाहटों में रहने वाले लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए पीएम जनमन योजना के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित सात मोबाइल मेडिकल यूनिट पहाड़ी कोरवा बसाहटों में शिविर लगाकर लोगों को उनके नजदीक ही चिकित्सीय जांच, लैब जांच और आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। पीएम जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में सात मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं। ये एमएमयू पहाड़ी कोरवा बसाहटों में शिविर लगाकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। प्रत्येक दल में चिकित्सक, स्टाफ नर्स, लैब तकनीशियन और ड्राइवर शामिल रहते हैं। टीम निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करती है और आवश्यकता के अनुरूप उपचार उपलब्ध कराती है। एमएमयू के माध्यम से शिविरों में आने वाले मरीजों की चिकित्सीय जांच के साथ आवश्यक लैब जांच की जाती है। जांच के आधार पर मरीजों को जरूरी दवाइयां भी वितरित की जाती हैं। इससे पहाड़ी कोरवा बसाहटों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर जाने की आवश्यकता कम हो रही है। स्वास्थ्य टीम मरीजों की काउंसलिंग भी करती है। ऐसे मरीज जिन्हें आगे की जांच अथवा उच्च स्वास्थ्य संस्था में उपचार की आवश्यकता होती है, उनके रेफरल के लिए आवश्यक समन्वय किया जाता है। इस तरह एमएमयू प्राथमिक जांच से लेकर जरूरत के अनुसार आगे के उपचार से जोड़ने की कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम स्वास्थ्य शिविरों के साथ विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में भी सहयोग प्रदान कर रही है। पहाड़ी कोरवा बसाहटों तक नियमित रूप से पहुंच रही एमएमयू सेवा के माध्यम से स्वास्थ्य जांच, उपचार, दवा वितरण, काउंसलिंग और रेफरल जैसी जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय के नजदीक उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासकीय कन्या स्कूल अम्बिकापुर की बालिकाओं का क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

- बालिका क्रिकेट की नई शुरुआत ने दिलाई राज्य स्तरीय उपलब्धि

अम्बिकापुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026ङ्क27 में बालिका क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई नई पहल ने शानदार परिणाम हासिल किया है। विद्यालय की चार छात्राओं का चयन 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026, राजनांदगांव के लिए सरगुजा संभाग की बालिका टीम सभी संभाग टीम हरा कर विजेता बनी। विजेता टीम मे विद्यालय की छात्राएं कु. दृष्टि सिंह, कु. आरती सिंह, कु. पूर्णिमा केरकेट्टा एवं कु. अनन्या यादव ने सरगुजा संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सरगुजा संभाग की टीम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। इन चारों बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा से विद्यालय के साथ-साथ अम्बिकापुर शहर एवं सरगुजा का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय में बालिका क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्था के व्यायाम शिक्षक एवं राष्ट्रीय कोच श्री राजेश प्रताप सिंह के प्रयास से सत्र 2026ङ्क27 में बालिका क्रिकेट प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। प्रशिक्षण प्रारंभ होने के समय विद्यालय की लगभग 28 बालिकाओं ने नियमित रूप से क्रिकेट का अभ्यास शुरू किया। इस प्रशिक्षण केंद्र को सफल बनाने में संस्था प्रमुख एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही सरगुजा जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष एवं पार्षद श्री शैलेश कुमार सिंह का विशेष सहयोग रहा। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा के मार्गदर्शन में विद्यालय में बालिका क्रिकेट प्रशिक्षण को आगे बढ़ाया गया। बालिकाओं के प्रशिक्षण एवं खेल कौशल को निखारने में अम्बिकापुर के क्रिकेट कोच श्री शौभिक दासगुप्ता का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अपर्णा दुबे सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने चयनित एवं विजेता टीम की सभी खिलाड़ी बालिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने बालिकाओं के उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्राओं को भी खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

रिफ्रेशर कोर्स के द्वितीय सत्र में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने प्रशिक्षणार्थियों को ई-साक्ष्य, डिजिटल फॉरेंसिक एवं सीसीटीएनएस प्रणालियों का दिया विशेष प्रशिक्षण.....

- नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में वरिष्ठ आरक्षक से लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर तक के विवेचको कों दिया जा रहा प्रशिक्षण

अंबिकापुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के परिपालन में, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा (भा.पु.से.) के नेतृत्व एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में रक्षित केंद्र, अंबिकापुर में आयोजित 03-दिवसीय विशेष रिफ्रेशर कोर्स के प्रशिक्षण सत्र का दूसरा बैच लगातार जारी है। प्रशिक्षण के क्रम में आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री रितेश चौधरी ने प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित होकर वरिष्ठ आरक्षक से लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों एवं जवानों को नवीन आपराधिक कानूनों—भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अनुरूप गंभीर अपराधों में तकनीकी व डिजिटल साक्ष्यों के संकलन और अनुप्रयोग की विस्तृत जानकारी दी। ?इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने विवेचकों को ई-साक्ष्य संकलन, डिजिटल एवं फॉरेंसिक साक्ष्य प्रक्रिया, फिंगरप्रिंट तकनीक, ई-एफआईआर प्रणाली तथा क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम एवं साइबर अपराधों से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कौशल संवर्द्धन एवं तकनीकी दक्षता:- रिफ्रेशर कोर्स का मुख्य उद्देश्य आई.सी.जे.एस. प्रणाली के तहत नवीन कानूनों के मैदानी स्तर पर सुगम एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विवेचकों की कार्यकुशलता में सुधार करना है। विशेषज्ञ फैकल्टी का मार्गदर्शन:- प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर्स, लोक अभियोजन अधिकारी, फॉरेंसिक एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ, तथा साइबर एवं छ्ट्ठक्तर्ड़ एक्सपर्ट्स द्वारा अधिकारियों को आधुनिक विवेचना तकनीकों से अवगत कराया जा रहा है। वर्तमान बैच में सरगुजा रेंज के विभिन्न जिला इकाइयों से 173 पुलिस अधिकारी/कर्मचारी भाग ले रहे हैं। रेंज के शेष विवेचकों का प्रशिक्षण 7 नवंबर तक चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान नोडल अधिकारी/अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री रितेश चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक श्री सुरेश भगत, समन्वयक/रक्षित निरीक्षक तृप्ती सिंह राजपूत, एफएसएल एवं साइबर टीम के अधिकारियों सहित प्रशिक्षु सूबेदार गुलशन चंद्रा, प्रशिक्षु सूबेदार पेमिन वर्मा एवं रेंज से आए प्रशिक्षणार्थी पुलिस अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

पितरों को तिल और जौ से करें तर्पण

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा 27 सितंबर, रविवार से पितरों को तिल और जौ से तर्पण किया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में पितृ दोष की शांति, पुरखों के आशीर्वाद और पितरों की तृप्ति के लिए पितृपक्ष में तर्पण तथा पिंडदान कर ब्राह्मणों को भोजन कराना शुभ माना जाता है। इस बार पितृपक्ष में नवमी तिथि का क्षय होने से पितरों की कृपा पाने के लिए पूरे 14 दिन मिलेंगे। धार्मिक मान्यता है कि पितृपक्ष में जब पितरों को जल और तिल से तर्पण किया जाता है, तब उनकी आत्मा तृप्त होती है और उनका आशीष कुटुंब को कल्याण के पथ पर ले जाता है।

इस तिथि को करें तर्पण व श्राद्ध:

जिन लोगों की मृत्यु के दिन की सही जानकारी ज्ञात न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या तिथि को करना चाहिए। वहीं, अकाल मृत्यु होने पर भी अमावस्या के दिन ही श्राद्ध करना चाहिए। जिसने आत्महत्या की हो, या जिनकी हत्या हुई हो, ऐसे लोगों का श्राद्ध चतुर्थी तिथि को किया जाना चाहिए। पति जीवित हों और पत्नी की मृत्यु हो गई हो, तो उनका श्राद्ध नवमी तिथि को करना चाहिए। शास्त्रों में तीन ऋण बताए गए हैं: पितृ ऋण, देव ऋण और गुरु ऋण। ये तीन ऋण बहुत महत्व रखते हैं। मनुष्य लोक में पिता मृत्यु के समय अपना सब कुछ पुत्र या पुत्री को सौंप देते हैं, इसलिए संतान पर पितृ ऋण होता है।पितृपक्ष में अपने पितरों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने चाहिए। पितृपक्ष में जल और तिल से तर्पण करना चाहिए। इस दौरान किए गए श्राद्ध कर्म और दान-तर्पण से पितरों को तृप्ति मिलती है। वे खुश होकर अपने वंश को सुखी और संपन्न जीवन का आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म करने की परंपरा हमारी सांस्कृतिक विरासत है। पितरों तक केवल दान ही नहीं बल्कि हमारे भाव भी पहुंचते हैं।

पितृपक्ष में तीन पुरखों का होगा तर्पण

पितृपक्ष में पिता, पितामह, प्रपितामह तथा मातृपक्ष में माता, पितामही, प्रपितामही, इसके अलावा नाना पक्ष में मातामह, प्रमातामह, वृद्ध प्रमातामह, वहीं नानी पक्ष में मातामही, प्रमातामही, वृद्ध प्रमातामही के साथ-साथ अन्य सभी स्वर्गवासी सगे-संबंधियों का गोत्र एवं नाम लेकर तर्पण किया जाएगा। विष्णु पुराण के अनुसार, श्राद्ध से तृप्त होकर पितृगण समस्त कामनाओं से हमें तृप्त करते हैं।

सर्वपितृ अमावस्या एवं महालया के साथ समापनः

सर्वपितृ अमावस्या एवं महालया के साथ 10 अक्टूबर को पितृपक्ष का समापन होगा। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा 27 सितंबर रविवार से 10 अक्टूबर आश्विन कृष्ण अमावस्या शनिवार तक पितृपक्ष रहेगा। 9 अक्टूबर शुक्रवार को पितृपक्ष की चतुर्दशी तिथि है। इस दिन शस्त्रादि से मृत्यु को प्राप्त हुए पितरों का श्राद्ध किया जाएगा। इसके बाद 10 अक्टूबर शनिवार को अमावस्या तिथि में स्नान-दान सहित सर्वपितृ अमावस्या का श्राद्ध एवं पितृ विसर्जन महालया पर्व के रूप में संपन्न होगा। इस तिथि को अमावस्या सूर्योदय से लेकर रात्रि 08:43 बजे तक है। इसीलिए सर्वपितृ का तर्पण 10 अक्टूबर को करते हुए ब्राह्मण भोजन कराकर पितरों को विदाई दी जाएगी।

नमक गिरना क्यों माना जाता है अशुभ

भारतीय घरों में रोजमर्रा की कई छोटी-छोटी बातों को लेकर कुछ मान्यताएं पीढ़ियों से चली आ रही हैं। नमक का गिरना भी इन्हीं में से एक है। अक्सर घर के बड़े-बुजुर्ग नमक को फर्श पर गिरने को अशुभ संकेत मानते हैं,लेकिन आखिर नमक गिरने को लेकर ऐसी मान्यता क्यों बनी? इसके पीछे वास्तु और ज्योतिष से जुड़ी कुछ धारणाएं हैं। आइए जानते हैं इन मान्यताओं के पीछे की वजह और अगर गलती से नमक गिर जाए तो क्या करना चाहिए।

नमक को क्यों माना खास

सनातन धर्म की परंपराओं में भी नमक का विशेष महत्व बताया गया है। नमक का इस्तेमाल नजर दोष से जुड़े उपायों में किया जाता है। इसी वजह से नमक को बर्बाद करना या अनजाने में जमीन पर गिराना अच्छा नहीं माना गया। घर के बड़े-बुजुर्ग भी अक्सर नमक को संभालकर रखने की सलाह देते हैं।

इन ग्रहों से है नमक का संबंध

वास्तु और ज्योतिष में नमक का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से बताया जाता है। नमक का सफेद रंग और उसका स्वाद इन ग्रहों की ऊर्जा से जोड़ा जाता है। ऐसी धारणा है कि बार-बार नमक गिरने से घर में मानसिक तनाव, आपसी मतभेद और आर्थिक संकट जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बार-बार ऐसा होने लगे तो इसे शुक्र और चंद्रमा से जुड़े शुभ प्रभावों के कमजोर होने से भी जोड़ा जाता है।

वास्तु में नमक का महत्व

वास्तु शास्त्र मे नमक को घर की नकारात्मकता को सोखने वाली वस्तु माना जाता है। इसी विश्वास के चलते कई लोग घर के किसी कोने में कांच की कटोरी में नमक रख देते हैं। कुछ घरों में फर्श साफ करते समय पानी मे थोड़ा नमक मिलाने की परंपरा भी है। मान्यता है कि नमक का ऐसा इस्तेमाल घर के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

गलती से गिर जाए तो क्या करें

अगर खाना बनाते या परोसते समय गलती से नमक गिर जाए तो घबराने की जरूरत नहीं है, ऐसी घटनाओं को लेकर अनावश्यक डर या चिंता न पालें। इसे किसी बड़े संकट का निश्चित संकेत नहीं माना जा सकता। मान्यता के अनुसार, गिरे हुए नमक पर पैर नहीं रखना चाहिए और उसे सावधानी से समेटकर साफ कर देना चाहिए।

महिलाओं के हेल्थ के लिए फायदेमंद योगासन

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाओं को काफी सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. लंबे समय तक बैठकर काम करना, घर की जिम्मेदारियां, नींद की कमी और तनाव का असर शारीरिक और मानसिक तनाव की वजह से उनकी हेल्थ पर काफी ज्यादा बुरा असर पड़ता है. अगर आप भी एक महिला हैं और अपने शरीर को कई सारी बीमारियों से दूर रहना चाहती हैं, तो आप सुप्त बद्ध कोणासन को रोजाना कर सकते हैं. ये आपकी हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद हो सकता है. योग को रोजाना की दिनचर्या में शामिल करना काफी फायदेमंद हो सकता है, अगर आप रोजाना भी 15 मिनट करते हैं, तो आपको कमाल के असर देखने के लिए मिल सकते हैं. अगर आप अपने शरीर को आराम देना चाहते हैं, तो आपको रोजाना इस आसान को जरूर करना ही चाहिए, आइए आपको इसको फायदे के बारे में बताते हैं

सुप्त बद्ध कोणासन के फायदे

1. **तनाव और थकान कम**- अगर महिलाएं रोजाना सुप्त बद्ध कोणासन को 15 मिनट भी करती हैं, तो आपको गजब के फायदे मिल सकते हैं। तनाव और थकान कम करने के लिए ये एकदम बेस्ट साबित होता है। दिनभर के तनाव से थोड़ी राहत महसूस होती है।

2. **शरीर को रिलैक्स** - अगर आप 15 मिनट इस आसान को करते हैं, तो शरीर को रिलैक्स रखने में भी मदद मिल सकती है। सोने से पहले हल्के योग और रिलैक्सेशन रूटीन में भी इसे शामिल आप कर सकते हैं।

3. **लचीलापन बनाए रखता है**

इसको अगर आप रोजाना करते हैं, तो आपका शरीर लचीलापन रहता है और आपको गजब की शक्ति भी मिलती है. स्ट्रेचिंग अभ्यास शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने में मददगार हो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए 27 सितंबर 2026, रविवार का दिन ठीक रहेगा. जमीन-जायदाद से जुड़े विवादों का समाधान हो सकता है. नौकरी में उन्नति और यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा. सुख-सुविधाओं के साधन बढ़ेंगे और आर्थिक लाभ के योग बनेंगे. व्यापारिक यात्रा लाभप्रद रहेगी. परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी.

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए 27 सितंबर 2026 के दिन वर्कप्लेस में कलिग का अच्छा साथ मिलेगा. प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा और लोकप्रियता बढ़ सकती है. लंबे समय से अधूरा काम पूरा होने के साथ धन लाभ के योग हैं. मान-सम्मान, उपहार या पुरस्कार मिल सकता है. विरोधियों पर विजय मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए 27 सितंबर 2026, रविवार का दिन को मिथुन राशि वालों के लिए दिन उत्साहवर्धक रहेगा. इच्छित कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं और नए काम से लाभ हो सकता है. गुप्त विरोधियों की चाल विफल होगी. माता-पिता का सहयोग मिलेगा. प्रभावशाली लोगों से वांछित सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा.

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए रविवार 27 सितंबर का दिन कर्क राशि के शुभ कार्य पूरे होने के योग हैं. शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा. उद्योग और व्यापार में सफलता मिल सकती है. घर के लिए उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी करेंगे. भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं.

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों को 27 सितंबर 2026 रविवार का दिन सामाजिक संपर्कों और प्रभाव का लाभ मिलेगा. मान-सम्मान बढ़ेगा और परिस्थितियों मे सुधार आएगा. लंबे समय से बिगड़ा काम बन सकता है. व्यवसाय मे अच्छा लाभ मिलने की संभावना है. परिवार के साथ घूमने-फिरने और मनोरंजन के अवसर मिलेंगे. वाहन सुख भी प्राप्त हो सकता है.

कन्या राशि - कन्या राशि वालों को रविवार 27 सितंबर 2026 का दिन कन्या राशि वालों के मन में नई आशाओं का संचार होगा. धैर्य और साहस से कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी. धन प्राप्ति के अवसर बढ़ेंगे और नौकरी में उत्साह बना रहेगा. यशस्वी कार्य करने का मौका मिलेगा. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और स्वास्थ्य भी सामान्य रहेगा.

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को रविवार 27 सितंबर 2026 को तुला राशि को विभिन्न समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मेहनत के बल पर इच्छित सफलता की ओर आगे बढ़ेंगे. आर्थिक संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे, हालांकि पारिवारिक जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है. विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा और शैक्षणिक उन्नति के अवसर मिलेंगे.

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों को रविवार 27 सितंबर को वृश्चिक राशि वालों के राजनीतिक और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ सकते हैं. लंबे समय से चिंतित मनोकामना पूरी होने के संकेत हैं. बिजनेस में शुभ बदलाव और आर्थिक लाभ हो सकता है. सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा होगी. मित्रों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा. जमीन-जायदाद से जुड़े काम सफल हो सकते हैं.

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए रविवार 27 सितंबर 2026 को धनु राशि के जातकों को कोई महत्वपूर्ण समाचार प्राप्त हो सकता है. आज रोधियों पर विजय मिलने के योग हैं और किसी पुराने विवाद में राहत मिल सकती है. अपने आसपास के लोगों की बातों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना आपके लिए बेहतर रहेगा.

मकर राशि - मकर राशि के जातकों को रविवार 27 सितंबर 2026 की आजीविका से जुड़ी चिंता दूर हो सकती है. साहसिक कार्यों में सफलता मिलेगी. परिवार में सुख-सुविधाओं के साधन बढ़ेंगे. विरोधियों पर विजय मिलने के साथ सामाजिक और राजनीतिक संपर्कों का लाभ प्राप्त होगा. लंबे समय से अटकी रकम वापस मिलने की संभावना है.

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों को रविवार 27 सितंबर 2026 का दिन कुंभ राशि वालों के लिए लाभकारी प्रयास सफल हो सकते हैं. स्वजनों और मित्रों का सहयोग मिलेगा. स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी. आमदनी बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं. नए लोगों से परिचय बढ़ेगा. घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण रहेगा और मनोकामनाएं पूरी होने की संभावना है.

मीन राशि- मीन राशि के जातकों को रविवार 27 सितंबर 2026 का दिन मीन राशि वालों को चिंता वाले वातावरण से राहत मिलेगी. मेहनत का उचित परिणाम प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा. आपके धैर्य, गंभीरता और सहनशीलता से परिवार का कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है. परिजनों के बीच आपका सहयोग महत्वपूर्ण साबित होगा.

बाल झड़ने से रोकने के उपाय

सितंबर में मौसम बदलने के साथ कई लोगों को बाल झड़ने की समस्या ज्यादा महसूस हो सकती है। बारिश के बाद बढ़ी हुई नमी, पसीना, स्कैल्प पर गंदगी जमा होना और बालों की देखभाल में बदलाव हेयर फॉल की समस्या को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि रोजाना कुछ बालों का झड़ना सामान्य माना जाता है, लेकिन अगर बाल अचानक बहुत ज्यादा टूटने या झड़ने लगें तो इसके पीछे तनाव, पोषण की कमी, हार्मोनल बदलाव, स्कैल्प की समस्या या कोई अन्य कारण भी हो सकता है। ऐसे में केवल घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहने के बजाय कारण समझना जरूरी है। बालों की सामान्य देखभाल के लिए संतुलित डाइट, पर्याप्त प्रोटीन, नींद और स्कैल्प की साफ-सफाई पर ध्यान देना मददगार हो सकता है। सितंबर में बदलते मौसम के दौरान कुछ आसान हेयर केयर आदतों को अपनाकर बालों को स्वस्थ रखने की कोशिश की जा सकती है।

स्कैल्प को रखें साफ

मौसम में नमी और पसीने के कारण स्कैल्प पर तेल और गंदगी जमा हो सकती है। अपने बालों और स्कैल्प की जरूरत के अनुसार माइल्ड शैंपू से सफाई करें। बहुत गर्म पानी से बाल धोने से बचें।

गीले बालों में कंघी करने से बचें

गीले बाल अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं और उन्हें जोर से खींचने या सुलझाने पर टूटने का खतरा बढ़ सकता है। बालों को थोड़ा सूखने दें और फिर चौड़े दांत वाली कंघी से धीरे-धीरे सुलझाएं।

डाइट में प्रोटीन और पोषक तत्व रखें

बालों की सेहत के लिए पर्याप्त पोषण जरूरी है। डाइट में

दालें, अंडे, दूध-दही, पनीर, मछली या अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल किए जा सकते हैं। हरी सब्जियां, फल, नट्स और बीज भी संतुलित आहार का हिस्सा हो सकते हैं। अगर बाल अचानक बहुत ज्यादा झड़ने लगें, सिर में खाली पैच दिखाई दें, स्कैल्प में खुजली या लालिमा हो, या समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है। हेयर फॉल के पीछे कई अलग-अलग कारण हो सकते हैं, इसलिए जरूरत पड़ने पर डॉक्टर कारण के अनुसार जांच और उपचार की सलाह दे सकते हैं।

बालों को बार-बार गर्म न करें

हेयर ड्रायर, स्ट्रेटनर और कर्लिंग आयरन की ज्यादा गर्मी बालों को कमजोर और रूखा बना सकती है। संभव हो तो बालों को प्राकृतिक तरीके से सूखने दें और हीट स्टाइलिंग कम करें।

तेल लगाने में रखें संतुलन

नारियल या अन्य सामान्य हेयर ऑयल से हल्की मसाज करने से बालों और स्कैल्प की देखभाल की जा सकती है। बहुत ज्यादा तेल लगाकर लंबे समय तक छोड़ना जरूरी नहीं है, खासकर अगर स्कैल्प ऑयली रहता है।

रसोई की काली मिर्च से घर में उगाएं बेल

रसोई में रखी काली मिर्च सिर्फ मसाले का काम नहीं आती, अगर आपको गार्डनिंग का शौक है तो इसके साबुत दानों से पौधा तैयार करने की कोशिश भी कर सकते हैं। हालांकि काली मिर्च के बीजों को अंकुरित करना हर बार आसान नहीं होता। इसी वजह से सोशल मीडिया और गार्डनिंग के बीच केले और एलोवेरा का इस्तेमाल करने वाली एक ट्रिक चर्चा में रहती है। इस तरीके में काली मिर्च के साबुत दानों को केले के अंदर रखकर मिट्टी में दबाने की बात कही जाती है। माना जाता है कि केले की नमी और जैविक सामग्री बीज के आसपास अनुकूल वातावरण बना सकती है, लेकिन इसे पक्का वैज्ञानिक तरीका नहीं माना जाना चाहिए। अच्छी मिट्टी, नमी, रोशनी और सही बीज अब भी सबसे जरूरी हैं।

सही काली मिर्च के बीज चुनना जरूरी है

घर में काली मिर्च का पौधा उगाने की शुरुआत बीज से होती है। इसके लिए साबुत और अच्छी गुणवत्ता वाली काली मिर्च लें। बाजार में मिलने वाली हर काली मिर्च अंकुरण के लिए उपयुक्त नहीं होती, क्योंकि कुछ दाने सुखाने या प्रोसेसिंग के दौरान अंकुरण की क्षमता खो सकते हैं, अगर आपके पास ताजी काली मिर्च की बेल से मिले पके दाने हैं तो उनका इस्तेमाल बेहतर विकल्प हो सकता है। बहुत पुराने, बेहद सूखे या खराब दिखने वाले दानों से पौधा तैयार होने की संभावना कम हो सकती है।

केले वाली ट्रिक कैसे आजमाएं

इस तरीके में एक पका हुआ केला लिया जाता है। केले के बीच में हल्का सा चीरा लगाकर उसमें कुछ साबुत काली मिर्च के दाने रखे जाते हैं। इसके बाद थोड़ी मात्रा में ताजा एलोवेरा जेल लगाया जाता है और केले को मिट्टी में दबा दिया जाता है। ध्यान रखें कि केले और एलोवेरा से अंकुरण तेजी से होगा, ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। यह एक घरेलू गार्डनिंग ट्रिक है। इसका फायदा मुख्य रूप से केले की नमी और जैविक पदार्थ से मिलने वाले वातावरण के रूप में देखा जा सकता है, अगर इसे आजमा रहे हैं तो साथ में सामान्य बीज अंकुरण की सही परिस्थितियां बनाए रखना जरूरी है।

मिट्टी कैसी होनी चाहिए

काली मिर्च के लिए ऐसी मिट्टी चुनें जो पानी को रोककर न रखे और फिर भी पर्याप्त नमी बनाए रखे। सामान्य बगीचे की मिट्टी में कोकोपीट, रेत या अन्य ढीली सामग्री और अच्छी तरह सड़ी हुई जैविक खाद मिलाई जा सकती है। गमले के नीचे ड्रेनेज होल जरूर होना चाहिए। पानी लगातार जमा रहने से बीज या बाद में निकलने वाली जड़ों को नुकसान हो सकता है। मिट्टी को हल्का और भुरभुरा रखना इस बेल के लिए ज्यादा उपयोगी रहेगा।

गमले में केले को कैसे लगाएं

गमले में तैयार मिट्टी भरकर बीच में छोटा गड्ढा बनाएं। केले को बहुत गहराई में दबाने के बजाय मिट्टी की हल्की परत से ढकें। इसके बाद पानी दें ताकि मिट्टी अच्छी तरह नम हो जाए। पानी इतना ही दें कि नमी बनी रहे और गमले में पानी जमा न हो, अगर केले का हिस्सा सड़ने लगे, बदबू आने लगे या फंगस दिखाई दे तो उसे हटाना बेहतर है। पौधे को उगाने के लिए सड़ी हुई जैविक सामग्री पर निर्भर रहने के बजाय स्वस्थ मिट्टी और सही नमी पर ध्यान दें।

रोशनी और पानी का रखें ध्यान

काली मिर्च एक बेलदार पौधा है और इसे बढ़ने के लिए पर्याप्त रोशनी के साथ नमी वाला वातावरण पसंद आता है। शुरुआती चरण में पौधे को तेज दोपहर की सीधी धूप में रखने से बचें। हल्की सुबह की धूप या उजली लेकिन छनकर आती रोशनी बेहतर रह सकती है। मिट्टी की ऊपरी सतह देखकर पानी दें, अगर ऊपर की मिट्टी हल्की सूखी लग रही है तो पानी दिया जा सकता है। हर दिन जरूरत से ज्यादा पानी डालना सही तरीका नहीं है।

विश्व पर्यटन दिवस 2026: 'AI' और 'डिजिटल तकनीक' से बदलेगी राज्य के पर्यटन की तस्वीर

विश्व पर्यटन दिवस 2026 के अवसर पर महाराष्ट्र पर्यटन विभाग ने डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के माध्यम से राज्य के पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक बनाने की दिशा में कई पहल शुरू की हैं। इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस की थीम 'डिजिटल एजेंडा और AI के माध्यम से पर्यटन की नई कल्पना' है। पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव देने के लिए विभाग की ओर से डिजिटल डैशबोर्ड, स्मार्ट टिकटिंग, 'महाअतिथि' पोर्टल, 'महाराष्ट्र टूरिज्म' मोबाइल ऐप और AI आधारित 'महामुनी' चैटबॉट जैसी पहल की जा रही हैं। 'महाअतिथि' पोर्टल के माध्यम से होटल, होमस्टे, रिसॉर्ट, टूर और अन्य पर्यटन सेवाओं की जानकारी के साथ सीधे बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रस्तावित 'महाराष्ट्र टूरिज्म' ऐप पर पर्यटन स्थलों की जानकारी, नक्शे, यात्रा योजना, होटल व अन्य सेवाएं, टिकट बुकिंग, कार्यक्रम, स्थानीय अनुभव, आपातकालीन संपर्क और पर्यटकों

विकास पानसरे (आईएएस), महाराष्ट्र पर्यटन विभाग के निदेशक

की प्रतिक्रिया जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। वहीं, 'महामुनी' AI चैटबॉट पर्यटकों की पसंद, समय, बजट और यात्रा के उद्देश्य के आधार पर यात्रा की योजना बनाने में मदद करेगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों, स्थानीय उद्यमियों और सेवा प्रदाताओं के लिए डिजिटल क्षमता विकास कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। इसमें डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल भुगतान, AI, साइबर सुरक्षा और डेटा आधारित पर्यटन प्रबंधन जैसे विषय शामिल होंगे। पर्यटकों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सीसीटीवी और स्मार्ट प्रवेश द्वार विकसित करने की योजना है।

वहीं, कोल्हापुर के महालक्ष्मी मंदिर परिसर में स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था लागू की गई है, जहां मोबाइल ऐप के जरिए पार्किंग की उपलब्धता देखी और स्थान पहले से बुक किया जा सकता है। इसके अलावा पर्यटन विभाग की 10 सेवाएं MAITRI 2.0 पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें पर्यटन परियोजनाओं के प्रमाणपत्र, विभिन्न पर्यटन गतिविधियों का पंजीकरण और अन्य अनुमतियां शामिल हैं। पर्यटन विभाग के निदेशक विकास पानसरे (आईएएस) के अनुसार, डिजिटल तकनीक और मानवीय भागीदारी के समन्वय से महाराष्ट्र अपने समृद्ध विरासत, संस्कृति, प्रकृति, आध्यात्मिकता और साहसिक पर्यटन को आधुनिक पर्यटन व्यवस्था से जोड़ते हुए अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और समावेशी पर्यटन अनुभव की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने मन की बात में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान को सराहा

कांकेर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम लामकन्हार स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 138वीं कड़ी का श्रवण किया। प्रधानमंत्री द्वारा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के अलग-अलग हिस्सों में जनभागीदारी से हो रहे सकारात्मक बदलावों और नवाचारों को 'मन की बात' के माध्यम से राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के प्रयासों का उनके द्वारा लगातार उल्लेख किया जाना प्रदेशवासियों के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। इससे हमारे स्थानीय प्रयासों को नई पहचान मिलने के साथ ही बेहतर कार्य करने की प्रेरणा भी मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान कुपोषण के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की लड़ाई को जनभागीदारी से और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुनगा सहज उपलब्ध होने के साथ पोषण का स्रोत है। इसके पत्ते, फल और फूल भोजन में उपयोग किए जाते हैं तथा इनमें आयरन सहित अनेक पोषक तत्व पाए जाते हैं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अपने घरों में मुनगा का पौधा लगाने तथा इसके पोषण संबंधी लाभों के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

लोकल' तक विभिन्न विषयों पर किया संवाद- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति, जनगणना में नागरिकों की भागीदारी, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा 'वोकल फॉर लोकल' सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने सितंबर माह को कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को समर्पित पोषण माह के रूप में रेखांकित करते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में पोषण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में उन्होंने छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान की चर्चा की। इस अभियान के माध्यम से लोगों को पौष्टिक मुनगा अर्थात मोरिंगा को दैनिक खान-पान का हिस्सा बनाने और इसके पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के नवाचारों की 'मन की बात' में लगातार हो रही चर्चा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के जनभागीदारी आधारित प्रयासों और नवाचारों को लगातार स्थान दे रहे हैं। इससे पहले बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक, मल्हार में प्राप्त ऐतिहासिक ताम्रपत्र और कोरिया जिले के '5 प्रतिशत जल संचय मॉडल' जैसे प्रयासों की प्रधानमंत्री द्वारा सराहना की जा चुकी है।

हेमचंद यादव विवि: व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को जूलॉजी में Ph.D., भूजल में भारी धातुओं के स्वास्थ्य प्रभावों पर किया शोध

दुर्ग / कांकेर। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने शासकीय हाई स्कूल मंगहूर (विकासखंड दुर्गुकोंदल, जिला उत्तर बस्तर कांकेर) में पदस्थ व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को प्राणिशास्त्र (जूलॉजी) विषय में 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' (Ph.D.) की उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। यह उपलब्धि उन्होंने लाइफ साइंस फैकल्टी के अंतर्गत हासिल की है। शोध का विषय श्री साहू ने अपना यह महत्वपूर्ण शोध कार्य "A Correlational Study Between Groundwater Heavy Metals of Rajnandgaon District and Related Human Health Problems" (राजनंदगांव जिले के भूजल में भारी धातुओं और संबंधित मानव स्वास्थ्य समस्याओं के बीच एक सह-संबंधात्मक अध्ययन) विषय पर पूरा किया है। उनके इस शोध से भूजल में मौजूद भारी धातुओं और उससे उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बीच के जोखिमों को समझने में बड़ी मदद मिलेगी।

मार्गदर्शन एवं शोध केंद्र- उन्होंने यह शोध कार्य शासकीय वी.वाई.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के प्राणिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज के मार्गदर्शन में कॉलेज के ही शोध केंद्र से संपन्न किया।

आधिकारिक अधिसूचना जारी- बाहरी परीक्षकों की सकारात्मक रिपोर्ट और मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। उनकी इस उपलब्धि पर उनके गृह ग्राम, शिक्षा विभाग एवं साथियों में हर्ष का माहौल है।

मिट्टी से बनी श्री गणेश जी का विधि विधान से टब में किया विसर्जन, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अमलेश्वर। पर्यावरण संरक्षण हेतु विगत वर्षों से मिट्टी की बनी गणेश जी की मूर्ति स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल किया जा रहा है। इस वर्ष वर्ष भी प्रेस क्लब अम्लेश्वर के अध्यक्ष करन साहू के सुपुत्र आदित्य और अश्विन साहू ने मिट्टी से बने श्री गणेश जी की स्थापना अपने निवास में की और पिता करन साहू माती सविता साहू के साथ 11 दिन तक पूजा अर्चना किया। जिसे पूरे विधि विधान से हवन पूजन के पश्चात अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर टब में विसर्जन किया जाएगा। पत्रकार करन साहू ने बताया कि मिट्टी की छोटी प्रतिमाएं स्थापित करने से प्रदूषण को कम किया जा सकता है। मिट्टी के श्री गणेश जी की मूर्ति पर्यावरण के लिए पूरी तरह सुरक्षित और प्राकृतिक होती है। मिट्टी की मूर्ति पानी में आसानी से घुल जाती है और वापस प्रकृति में मिल जाती है।

सफाई संबंधी शिकायतों का मौके पर हुआ त्वरित निराकरण, अधिकारियों ने लिया आवेदनों का संज्ञान

सेवा सेतु शिविर में दूसरे दिन भी आवेदन लेकर पहुंचे नागरिक

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु अभियान शिविर समस्या का समाधान आपके द्वार का आयोजन 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक नगर निगम क्षेत्र में किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, शिक्षक नगर एवं तुलाराम कन्या विद्यालय, आर्य नगर में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए गए। दोनों शिविरों में संबंधित 10 वार्डों के नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं से संबंधित जानकारी, आवेदन एवं समस्याओं के निराकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर के दूसरे दिन नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवाओं एवं समस्याओं से संबंधित कुल 16 आवेदन प्रस्तुत किए गए। इनमें सफाई से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा प्राप्त कर पात्र प्रकरणों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं के लिए संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही स्थान पर आवेदन एवं समाधान की सुविधा मिल रही है। महापौर अलका बाघमार ने तुलाराम कन्या विद्यालय, आर्य नगर एवं तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, शिक्षक नगर में आयोजित सेवा सेतु शिविर का निरीक्षण किया।

उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर नागरिकों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को पात्र प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य एवं पार्षद शेखर चन्द्राकर, पार्षद विद्यावती सिंह, रंजीता पाटिल, सवित्री दमाहे, लोकेश्वरी ठाकुर, मनीषा सोनी, एल्डरमेन अनूप सोनी, कार्यपालन अभियंता सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता एवं नोडल अधिकारी गिरीश दीवान, सहायक अभियंता एवं नोडल अधिकारी राजेन्द्र ढबाले सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

26 सितंबर को सिकोला भाठा एवं कुशाभाऊ ठाकरे विद्यालय में लगेगा सेवा सेतु शिविर- सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार, 26 सितंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिकोला भाठा एवं कुशाभाऊ ठाकरे विद्यालय में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में संबंधित वार्डों के नागरिकों की विभिन्न समस्याओं एवं आवेदनों को प्राप्त कर उनके निराकरण की कार्रवाई की जाएगी।

इन वार्डों के नागरिक होंगे शामिल

वार्ड क्रमांक 14 - सिकोला भाठा
वार्ड क्रमांक 15 - सिकोला बस्ती दक्षिण
वार्ड क्रमांक 16 - सिकोला बस्ती उत्तर
वार्ड क्रमांक 17 - औद्योगिक नगर उत्तर
वार्ड क्रमांक 18 - औद्योगिक नगर दक्षिण
वार्ड क्रमांक 19 - कैलाश नगर दक्षिण
वार्ड क्रमांक 20 - शहीद भगत सिंह उत्तर
वार्ड क्रमांक 21 - रितुरडीह
वार्ड क्रमांक 22 - स्टेशनपारा
वार्ड क्रमांक 24 - आमदी मंदिर
वार्ड क्रमांक 59 - कातुलबोर्ड पूर्व
वार्ड क्रमांक 60 - कातुलबोर्ड पश्चिम

खारून नदी का रौद्र रूप: महादेवघाट में बढ़ा जलस्तर, अमलेश्वर समेत आसपास के गांवों में बाढ़ का संकट

अमलेश्वर। रायपुर, दुर्ग और धमतरी जिले के लिए जीवनदायिनी मानी जाने वाली खारून नदी ने लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के बाद रौद्र रूप धारण कर लिया है। अमलेश्वर के महादेवघाट में नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो रायपुर-दुर्ग के बीच संपर्क टूट गया है कल भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा महादेवघाट क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर लोगों से सावधानी बरतने तथा नदी के आसपास नहीं जाने की अपील की गई है। खारून नदी के बढ़ते पानी के कारण अमलेश्वर के अलावा आसपास के भोथली, मगरघटा, खुडमुड़ा, जमराव और घुघुवा सहित कई गांवों में चिंता की स्थिति बनी हुई है। कई घरों में बाढ़ का पानी घुसने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान जुटाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन के साथ ही समाजसेवी संगठन और स्थानीय लोग भी प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। वहीं अमलेश्वर नगर में स्थित कई सरकारी कार्यालय भी बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। नगर पालिका कार्यालय, पटवारी कार्यालय, थाना परिसर और स्कूल कार्यालय में पानी पहुंचने से कामकाज प्रभावित हुआ है। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के एल्डरमैन सुनील शर्मा ने कहा कि इस तरह की बाढ़ की स्थिति खारून नदी के अस्तित्व और उसके प्राकृतिक प्रवाह को लेकर गंभीर संकेत देती है।

उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन के लगातार दोहन के साथ खारून नदी के तट पर अतिक्रमण भी एक बड़ी समस्या है। नदी के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में अवरोध होने के कारण पानी की निकासी प्रभावित होती है और बाढ़ की स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए नगर पालिका प्रशासन अमलेश्वर द्वारा आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने की रूपरेखा तैयार की गई है तथा जरूरत के अनुसार राहत कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ें युवा : डॉ. स्मिता सेलट

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई में राष्ट्रीय सेवा योजना के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक कुमार ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. स्मिता सेलट ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सेवा, अनुशासन, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। रजिस्ट्रार डॉ. वैभव तिवारी ने कहा कि एन एस एस विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सामाजिक चेतना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को निरंतर सामाजिक सरोकारों से जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। डायरेक्टर विकास डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन करना भी है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को उनके सहभागिता एवं योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्वयं सेवकों को सी सर्टिफिकेट प्राप्त होने पर बधाई दी गई। स्थापना दिवस समारोह में स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। गीत, नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक चेतना का संदेश दिया। प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. गोविंद शर्मा एवं डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. विनय पीतांबराम सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सेवा, सामाजिक दायित्व एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

पितृपक्ष में गया जाने वालों को राहत, विधायक रिकेश सेन की लगातार तीसरे वर्ष पहल

पितरों के तर्पण-पिंडदान की धार्मिक परंपरा के बीच एक तरफका ट्रेन किराया और गया में ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था

विधायक द्वारा की जा रही है।

भिलाई नगर। सनातन परंपरा में पितृपक्ष का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस अवधि में श्रद्धालु अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मशांति और मोक्ष की कामना से तर्पण, श्राद्ध एवं पिंडदान करते हैं। इनमें गयाजी में पिंडदान को विशेष महत्व प्राप्त है। धार्मिक मान्यता के अनुसार गया की पवित्र भूमि पर पिंडदान और तर्पण करने से पितरों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता अर्पित की जाती है। यही वजह है कि देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पितृपक्ष के दौरान गया पहुंचते हैं। इसी धार्मिक आस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा लगातार तीसरे वर्ष विशेष पहल की जा रही है। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र से पितृपक्ष में गया जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक तरफ का ट्रेन किराया तथा गया में ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था विशेष राहत मिलेगी, जो पितरों के तर्पण और पिंडदान के लिए गया जाना चाहते हैं, लेकिन यात्रा और ठहरने के खर्च के कारण कठिनाई महसूस करते हैं। लगातार तीसरे वर्ष इस व्यवस्था को आगे बढ़ाए जाने से यह पहल केवल सुविधा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और सामाजिक सरोकार से जुड़ी पहल के रूप में भी सामने आ रही है।

गौरतलब हो कि पितृपक्ष में गया की यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था रहती है। फल्गु नदी के तट, विष्णुपद मंदिर सहित गया के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पिंडदान एवं तर्पण की परंपरा निभाई जाती है। ऐसे में वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए यात्रा और आवास की निःशुल्क व्यवस्था उनकी धार्मिक यात्रा को सुगम बनाने वाली महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में देखी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com